एजेंसी देना हैं
दैनिक जनसेवा समाचार
की मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में सभी जिलों एवं तहसील में एजेंसी देना हैं इच्छुक व्यक्ति शीघ्र संपर्क करे

दैनिक
जनसेवा समाचार
MPHIN/2013/53952
web:www.jansewasamachar.com

आवश्यकता हैं
दैनिक जनसेवा समाचार
को मेहनती और शिक्षित युवकों की जो आवश्यकता हैं जो विज्ञापन लाने का कार्य कर सके।

वर्ष-21 | अंक-220 | प्रात :कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, गुरूवार 10 सितम्बर 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपये

नई दिल्ली से वीसी के माध्यम से निवाड़ी के किसानों से जुड़े, किया संवाद

किसानों को उन्नत कृषि तकनीक, गुणवत्तापूर्ण बीज और बेहतर कृषि सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनकी आय में वृद्धि की जाए: मुख्यमंत्री

भोपाल (ब्यूरो). बलराम कृषि महोत्सव के अवसर पर निवाड़ी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए कृषि विकास, आधुनिक तकनीकों के उपयोग और किसानों की आय बढ़ाने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से संवाद कर कृषि से जुड़े विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसानों की समृद्धि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है तथा किसानों को उन्नत तकनीक, बेहतर सुविधाएं और शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में मौजूद किसानों से कहा कि कृषि क्षेत्र आने वाले समय में प्रदेश की अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ और सबकी समृद्धि की सबसे बड़ी गारंटी बनने जा रहा है। उन्होंने किसानों से कहा कि वे दुग्ध उत्पादन, श्रीअन्न उत्पादन, मत्स्य पालन, उद्यानिकी जिसमें भी उनकी रुचि है, एक नई शुरुआत के साथ आगे बढ़ें। हमारी सरकार फील्ड से लेकर फैक्ट्री तक हमेशा किसानों के साथ खड़ी है।

कृषि क्षेत्र आने वाले समय में प्रदेश की अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ और सबकी समृद्धि की सबसे बड़ी गारंटी बनने जा रहा है

मुख्यमंत्री ने युवाओं, महिलाओं, गरीबों और किसानों को आगे बढ़ाने के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि के साथ पशुपालन, पर्यटन और अन्य रोजगारपरक गतिविधियों को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। गौशाला एवं पशुपालन से संबंधित योजनाओं के माध्यम से भी ग्रामीणों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे कृषि वैज्ञानिकों और कृषि विभाग के विशेषज्ञों से मार्गदर्शन लेकर आधुनिक तकनीकों को अपनाएं तथा प्राकृतिक खेती, उन्नत बीज और आधुनिक कृषि यंत्रों का अधिक से अधिक उपयोग करें।

कृषि को केवल जीविकोपार्जन का साधन न मानकर इसे किसानों के लिए लाभ का व्यवसाय बनाया जाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार का संकल्प है कि किसान कल्याण वर्ष के माध्यम से पूरे वर्ष किसानों के हित में निरंतर कार्य किया जाए। किसानों की आय बढ़ाना और खेती को अधिक लाभकारी बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि कृषि के क्षेत्र में नई तकनीक, उन्नत बीज, आधुनिक कृषि यंत्र और वैज्ञानिक पद्धतियों का उपयोग बढ़ाने से किसानों को उत्पादन एवं आय में वृद्धि का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बलराम कृषि महोत्सव जैसे आयोजनों के माध्यम से किसानों को कृषि वैज्ञानिकों से सीधे संवाद करने, उन्नत कृषि यंत्रों, नवीन तकनीकों और बेहतर कृषि उत्पादन से जुड़ी जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिलता है। किसानों को गुणवत्तापूर्ण एवं उन्नत बीजों के साथ आधुनिक कृषि उपकरणों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे खेती की लागत कम हो और उत्पादन में वृद्धि हो। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार परंपरागत कृषि पद्धतियों के साथ प्राकृतिक एवं जैविक खेती को भी बढ़ावा दे रही है।

प्रगतिशील कृषकों एवं मेधावी छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

कार्यक्रम में अध्यक्ष अपेक्स बैंक भोपाल के प्रशासक श्री महेंद्र सिंह यादव, प्रदेश प्रभारी बलराम कृषि महोत्सव श्री कपिल दार्दे और विधायक निवाड़ी श्री अनिल जैन, सांसद प्रतिनिधि श्री राजेश पटेरिया, कलेक्टर श्रीमती जमुना भिड़े, पुलिस अधीक्षक डॉ राय सिंह नरवरिया द्वारा अन्य अतिथियों की उपस्थिति में देवेन्द्रपुरा निवासी कृषक श्री उदयभान कुशवाहा को संरक्षित खेती, पठाराम के कृषक श्री सतीश बंशकार को औषधिय खेती, तरीचर कलां के कृषक श्री सुरेश कुमार साहू को निजी कस्टम हायरिंग केंद्र, मड़िया खास के श्री कुलदीप सिंह दांगी को ई कृषि यंत्र अनुदान, टीला के कृषक श्री अरविंद घोष को डेयरी प्लस, सुजानपुरा के कृषक श्री सुरेन्द्र कुमार यादव को गौ-मैत्री योजना, चचावली के कृषक श्री लालाराम सूत्रकार थे।

जहरीली शराब से 28 मौतें, 16 आरोपी गिरफ्तार

अंतरराज्यीय तस्कर ने सिखाया बनाने का तरीका

सागर (ब्यूरो). सागर जिले के बंडा और शाहगढ़ विकासखंड के गांवों में जहरीली शराब पीने से 28 लोगों की मौत हो चुकी है। कई मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं। हालांकि, प्रशासन ने अब तक 15 मौतों की पुष्टि की है। अवैध शराब के नेटवर्क को ध्वस्त करने और दोषियों पर कार्रवाई के लिए प्रशासन ने तीन स्तर पर अभियान शुरू किया है। इसमें घर-घर सर्वे, चौपाल और कानूनी कार्रवाई शामिल है। वहीं, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार-प्रशासन पर मौतों का आंकड़ा छिपाने का आरोप लगाया है। पुलिस के अनुसार, पप्पू लोधी निवासी मेहरूनी, ललितपुर के खिलाफ थाना बहरोल में आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत केस दर्ज है। फिलहाल, वह जेल में है। रवि लखेरा को अंतरराज्यीय शराब तस्कर बताया गया है। उसके खिलाफ 25 केस दर्ज हैं। 2025 में थाना बहेरिया, जिला सागर में भी उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज हुआ था। चंद्रभान उर्फ चंदू राजपूत निवासी ततरवारा के खिलाफ पांच मामले दर्ज हैं, जबकि मनीष लोधी के खिलाफ 11 केस हैं। इनमें छह मामले शराब तस्करी से जुड़े हैं।

आरोपी इस तरह बनाते थे अवैध शराब

पुलिस को जांच में पता चला कि चंद्रभान उर्फ चंदू, शिवांजय राजपूत का रिश्तेदार है। शिवांजय के जरिए उसका मनीष लोधी से संपर्क हुआ। इसके बाद मनीष और रवि लखेरा ने शराब तैयार करने के लिए प्रिंट, बारदाना, रैपर समेत अन्य सामान उपलब्ध कराया। पुलिस के अनुसार, 2 सितंबर को चंदू के मक्का के खेत में करीब 50 पेटी नकली शराब सागर गोल्ड के नाम से तैयार की गई। इसे शिवांजय राजपूत, मनीष लोधी और चंद्रभान राजपूत ने बामौरा, गूगरा, पाटन, छापरी सहित आसपास के गांवों में सेल्समेन के जरिए पहुंचाया।

16 आरोपी गिरफ्तार, 17 को पकड़ने इनाम घोषित

पुलिस ने कुल 33 आरोपियों में से 16 को गिरफ्तार कर लिया है। इनसे पूछताछ में अवैध शराब तैयार करने, उसकी पैकिंग और ग्रामीण क्षेत्रों में सप्लाई नेटवर्क का खुलासा हुआ है। जांच में बरेठी शराब दुकान के लाइसेंसी ठेकेदार मनीष लोधी उर्फ यशवंत ठाकुर निवासी बंडा की भूमिका भी सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, वह अंतरराज्यीय शराब तस्कर रवि लखेरा के संपर्क में था। लखेरा से शराब तैयार करने का तरीका और फार्मूला मिलने के बाद ही आरोपियों ने अवैध शराब बनाने का काम शुरू किया था। मामले के एक अन्य आरोपी ततरवारा गांव के सरपंच चंद्रभान उर्फ चंदू पिता द्वारका सिंह राजपूत के खेत से पुलिस ने 164 क्वार्टर सागर गोल्ड प्लेन मदिरा, 27 लीटर अमानक शराब, निर्माण-पैकिंग में इस्तेमाल होने वाला सामान मिला है।

भोपाल में इंटर्न डॉक्टरों का आंदोलन खत्म, काम पर लौटे

इंटर्न डॉक्टरों को स्टाइपेंड 50प्रतिशत बढ़ा कर अब रू21500 मिलेंगे

भोपाल (ब्यूरो). मध्य प्रदेश के डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा- इंटर्न्स, जूडा और एमटीए प्रतिनिधिमंडल के साथ मीटिंग हुई। इंटर्न डॉक्टर्स की मांगें मान ली गई हैं। अब 21,500 रुपए स्टाइपेंड मिलेगा। छात्रों पर लाठीचार्ज और वाटर कैनन के इस्तेमाल के मामले में 2 पुलिसकर्मियों को लाइन अटैच किया गया है। स्वास्थ्य मंत्री शुक्ल ने कहा- जांच के लिए टीम गठित की गई है। घायल छात्रों के इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। शुक्ल ने कहा- इंटर्न डॉक्टर्स हमारे फैसले से खुश हैं। सरकार ने 50प्रतिशत स्टाइपेंड बढ़ाया है। मंत्री शुक्ल ने कहा- हमारे देश की डॉक्टर सबसे बड़ी ताकत हैं। आप हमेशा मुस्कुराकर अपना काम करते रहिए। सरकार आपके साथ है और आपकी सभी मांगों को ध्यान में रखकर पूरा कर रही है। विदेश में होते हुए सीएम डॉ. मोहन यादव ने आपके हित में फैसला सुनाया। स्टाइपेंड बढ़ाने की

मांग को लेकर इंटर्न डॉक्टर 3 दिन से आंदोलन कर रहे थे। भोपाल में कमला पार्क के पास बड़ा प्रदर्शन चल रहा था। इसका असर प्रदेशभर के सरकारी अस्पतालों की ओपीडी सेवाओं पर पड़ा। तीसरे दिन डॉक्टर्स ने आंदोलन खत्म करने का ऐलान किया। भोपाल के हमीदिया अस्पताल में बुधवार दोपहर 12 बजे तक ओपीडी बंद रही। सीनियर डॉक्टरों ने मरीजों को देखा। किडनी और लिवर के मरीज परेशान होते दिखे। हमीदिया अस्पताल में बुधवार को सिर्फ 2 ऑपरेशन हुए, जबकि सामान्य दिनों में 40 से ज्यादा ऑपरेशन होते हैं।

रेलवे के 3 मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को मंजूरी

5 राज्यों में 656किमी नई रेल लाइनें बिछेंगी

नई दिल्ली (एजेंसी). पीएम मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को कैबिनेट मीटिंग हुई। इसमें रेलवे के तीन मल्टी ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई। इन परियोजनाओं पर कुल 10,783 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

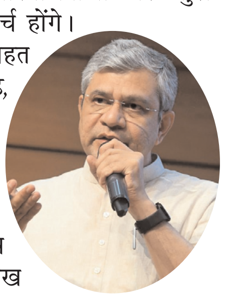

इन प्रोजेक्ट्स के तहत पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 14 जिलों में करीब 656द्ध रेल लाइनें बढ़ाई जाएंगी। इससे करीब 4,790 गांवों के 56 लाख लोगों को बेहतर रेल कनेक्टिविटी मिलने की उम्मीद है। खड़गपुर-झारसुगुड़ा रेल सेक्शन के बीच चौथी लाइन का निर्माण शामिल है। इसके अलावा कटनी-पेंड्रा रोड सेक्शन में भी चौथी लाइन बनाई जाएगी। वहीं, बिलासपुर (उसलापुर)-पेंड्रा रोड सेक्शन में तीसरी लाइन का निर्माण किया जाएगा।

27 मिलियन टन अतिरिक्त माल ढुलाई होगी

इन परियोजनाओं से हर साल करीब 27 मिलियन टन अतिरिक्त माल ढुलाई की क्षमता विकसित होगी। इससे उद्योगों तक कच्चा माल पहुंचाने और तैयार माल को बाजार तक ले जाने में मदद मिलेगी। साथ ही, माल परिवहन की लागत कम करने में भी फायदा हो सकता है। सरकार ने रेलवे को पर्यावरण के लिहाज से बेहतर और ऊर्जा-कुशल परिवहन माध्यम बताया है। नई रेल लाइनों से माल और यात्रियों के परिवहन में रेलवे की हिस्सेदारी बढ़ाने में मदद मिलेगी। सरकार के अनुमान के अनुसार, इन परियोजनाओं से हर साल करीब 12 करोड़ लीटर तेल की बचत हो सकती है। डाइऑक्साइड उत्सर्जन कम होने का अनुमान है। सरकार ने इस कमी को करीब 2.48 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर बताया है। इससे देश के जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने और लॉजिस्टिक्स लागत कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

रूस से 75 सुखोई-57 फाइटर जेट ले सकता है भारत

ब्रिक्स समिट से पहले मोदी-पुतिन डील साइन कर सकते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और रूस के बीच 75 सुखोई-57 फाइटर जेट खरीदने पर समझौता हो सकता है। दोनों देशों के बीच इस डील की शर्तों पर बातचीत आगे बढ़ चुकी है। डील हुई तो इसकी कीमत करीब 1 लाख करोड़ रुपए तक हो सकती है। इसमें विमान के साथ हथियार, पुर्जे, ट्रेनिंग, सिम्युलेटर और रखरखाव भी शामिल होगा। ब्रिक्स समिट से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शुक्रवार को नई दिल्ली में मिलेंगे। इस बैठक में सुखोई-57 पर दोनों नेता साइन कर सकते हैं। भारत चाहता है कि इस डील के साथ उसे ऐसी टेक्नोलॉजी भी मिले, जो आगे लड़ाकू विमान बनाने के काम आए। रूस, भारत में सुखोई-57 बनाने की पेशकश पहले ही कर चुका है। भारत इस प्रोजेक्ट में अपनी कंपनियों की भागीदारी और जरूरी तकनीक तक पहुंच चाहता है। अलावा रक्षा, परमाणु ऊर्जा और दोनों देशों के बीच सहयोग से जुड़े दूसरे मुद्दों पर भी बात होगी।

चुनाव आयोग के मुताबिक कांग्रेस से 7 गुना ज्यादा

5 राज्यों के चुनाव में भाजपा को रू1,473 करोड़ चंदा

नई दिल्ली (एजेंसी). इसी साल अप्रैल में हुए 5 राज्यों के विधानसभा चुनावों के दौरान बीजेपी को अपने केंद्रीय मुख्यालय में करीब 1,472.8 करोड़ रुपए मिले। चुनाव आयोग के मुताबिक, यह रकम कांग्रेस की केंद्रीय और राज्य इकाइयों से मिली 207.17 करोड़ रुपए की नेट रिसीट से 7 गुना से ज्यादा है। इन चुनावों में असम, केरलम, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी शामिल हैं। 4 मई को आए रिजल्ट में असम, बंगाल और पुडुचेरी में

एनडीए की जीत हुई थी। वहीं, केरलम में इंडिया और तमिलनाडु में टीवीके और कांग्रेस ने सरकार बनाई थी। कांग्रेस ने पांचों राज्यों में सामान्य पार्टी प्रचार पर 143 करोड़ रुपए और उम्मीदवारों पर 105.55 करोड़ रुपए खर्च किए। इस तरह उसका कुल चुनावी खर्च 248.55 करोड़ रुपए रहा। कांग्रेस के केंद्रीय मुख्यालय ने पांचों राज्यों में सामान्य प्रचार पर 40.52 करोड़ रुपए खर्च किए।

दिल्ली सीएम का निर्देश-

दिल्ली में अवैध निर्माण वाली इमारतों पर बुलडोजर चलेगा

दिल्ली (एजेंसी). दिल्ली के सत्य निकेतन में पीजी बिल्डिंग गिरने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अवैध निर्माण के खिलाफ एक्शन के निर्देश दिए हैं। सीएम ने एमसीडी को अवैध पीजी हॉस्टलों की जांच के निर्देश भी दिए हैं। वरिष्ठ अधिकारी कार्रवाई के दौरान मौके पर मौजूद रहेंगे। वहीं, दिल्ली नगर निगम ने पीजी बिल्डिंग के पास की इमारतों को गिराना शुरू कर दिया है।

इन इमारतों में गर्ल्स क्न्न था। लड़कियां क्न्न खाली कर दूसरी जगह शिफ्ट हो रही हैं। मंगलवार तक 24 संपत्तियों पर तोड़फोड़ की कार्रवाई और 7 अवैध ढांचों को सील किया जा चुका था। सत्य निकेतन में 6 सितंबर को पांच मंजिला क्न्न बिल्डिंग गिरने से 7 लोगों की मौत हुई थी। मामले में बुधवार तक 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर ने पूरा वंदे मातरम गाया

कांग्रेस ने आपत्ति जताई, कहा-

सहयोगी दल पार्टी के साथ रहे

श्रीनगर (एजेंसी). श्रीनगर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला की मौजूदगी में पूरा वंदे मातरम गाए जाने पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई है। इस पर उमर की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कहा कि गठबंधन के सहयोगियों पर शर्तें थोपने का अधिकार कांग्रेस का नहीं है। वहीं, बीजेपी ने कांग्रेस को 'मुस्लिम लीग' की राजनीति करने वाली पार्टी बताया। विवाद सोमवार को जम्मू-कश्मीर के अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में राष्ट्रीय गीत का पूरा संस्करण गाए जाने के बाद शुरू हुआ। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कार्यक्रम का वीडियो शेयर करते नेशनल कॉन्फ्रेंस से अपील की कि वह कांग्रेस के साथ खड़ी रहे और वंदे मातरम के 2 पैरा गाने के पक्ष में अपना रुख कायम रखे। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता बशीर अहमद ने कहा कि गठबंधन

सहयोगी होने के नाते कांग्रेस यह तय नहीं कर सकती कि वंदे मातरम गाना है या कितना गाना है। उन्होंने कहा कि वेणुगोपाल को ट्वीट करने का अधिकार है, लेकिन वह अपना फैसला थोप नहीं सकते। यह लोगों की पसंद का मामला है और उनकी पार्टी किसी पर कुछ थोपने के खिलाफ है। वेणुगोपाल ने कहा कि वंदे मातरम के उसी संस्करण को गाया जाना चाहिए, जिसे उस समय अपनाया गया था। इस संस्करण को जानबूझकर इसलिए चुना गया था, ताकि गीत को सांप्रदायिक रंग देने से बचाया जा सके।

असम में अफसर ने सीएम मंत्रियों की आवाज से करोड़ों ठगे

जिला विकास अधिकारी के पद पर है

गुवाहाटी। असम में राज्य सिविल सर्विस के एक अफसर पर करोड़ों रुपए की ठगी के आरोप लगे हैं। आरोपी देवेश्वर बोरा धेमाजी जिला विकास अधिकारी (डीडीओ) के पद पर हैं। शिकायत के मुताबिक, उन्होंने सरकारी ठेका, नौकरी और शराब की दुकान का लाइसेंस दिलाने के नाम पर लोगों से करोड़ों रुपए ठगे। सीएम विजिलेंस ने बोरा को मंगलवार को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया है।

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने का असर

कच्चा तेल 100 डॉलर पार, 6 हफ्ते में सबसे महंगा

तेहरान, वॉशिंगटन। कच्चे तेल यानी क्रूड ऑयल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है। आज यानी 9 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड के दामों में 2.25त्न का इजाफा हुआ। इसकी वजह अमेरिका-ईरान के बीच फिर तनाव बढ़ना बताया जा रहा है। इस बढ़ोतरी के पहले क्रूड की कीमत 98 बैरल प्रति डॉलर थी। इससे पहले 24 जुलाई को क्रूड का दाम 100 बैरल प्रति डॉलर पहुंचा था। अगर कच्चे तेल के दाम ऐसे ही बढ़ते रहे तो इससे पेट्रोल-डीजल और क्न्न के दाम बढ़ सकते हैं।

अमेरिका ने ईरान के 5 क्रूड ऑयल टैंकर तबाह किए

तेल की कीमतों में इस ताजा उछाल की मुख्य वजह अमेरिका और ईरान के बीच शुरू हुई नई सैन्य झड़पें हैं। यूएस सेंट्रल कमांड ने मंगलवार देर रात बयान जारी कर बताया कि अमेरिकी सेना ने ईरान के 5 तेल टैंकरों को नष्ट कर दिया। अमेरिका का दावा है कि उसने यह कार्रवाई ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स द्वारा अमेरिकी नौसेना के युद्धपोत पर बैलिस्टिक मिसाइल से किए गए हमले के जवाब में की है।

सुप्रीम कोर्ट बोला-

बीसीसीआई स्पोर्ट्स एक्ट के दायरे में क्यों नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी). सुप्रीम कोर्ट ने बीसीसीआई और सभी राज्य क्रिकेट संघों से पूछा है कि उन्हें नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट, 2025 के दायरे में क्यों नहीं लाया जाना चाहिए। कोर्ट ने यह भी पूछा कि इन संस्थाओं के पदाधिकारियों के कार्यकाल और सेवा शर्तों को भी इस कानून के तहत क्यों नहीं रखा जाए। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने मंगलवार को बीसीसीआई से जुड़े मामलों की सुनवाई के दौरान यह सवाल उठाया। कोर्ट ने बीसीसीआई और राज्य क्रिकेट संघों के वकीलों से इस मुद्दे पर निर्देश लेकर जवाब देने को कहा है। बीसीसीआई से जुड़ा यह मामला 2014 से सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। इस दौरान बोर्ड के प्रशासन, संविधान, पदाधिकारियों के कार्यकाल और पारदर्शिता को लेकर सुनवाइयां हो चुकी हैं।

आवेदन की समय-सीमा बढी

मण्डला (नि.प्र.) शैक्षणिक सत्र 2026-27 में दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर संचालित प्री-मैट्रिक पोस्ट-मैट्रिक एवं टॉप क्लास छात्रवृत्ति योजनाओं के ऑनलाइन आवेदन की समय-सीमा बढ़ा दी गई है। भारत सरकार द्वारा प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर निर्धारित की गई है। जिला सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार छात्रवृत्ति पोर्टल पर प्री-मैट्रिक के आवेदन की प्रक्रिया 25 जुलाई 6 से प्रारंभ है। पोस्ट-मैट्रिक एवं टॉप क्लास छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर है। संस्थाओं द्वारा आवेदनों के सत्यापन की अंतिम तिथि प्री-मैट्रिक के लिए 15 अक्टूबर तथा पोस्ट-मैट्रिक एवं टॉप क्लास के लिए 15 नवंबर निर्धारित की गई है।

जनसुनवाई में सुनी समस्या

मण्डला (नि.प्र.) जिला योजना भवन में मंगलवार को आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई में 97 आवेदकों ने उपस्थित होकर अपनी विभिन्न समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभाग के अधिकारियों को उनके समुचित व त्वरित निराकरण के कड़े निर्देश दिए।

द्वितीय सत्र का प्रशिक्षण प्रारंभ

मण्डला (नि.प्र.) राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण मध्यप्रदेश एवं डायरेक्टर जनरल होमगार्ड के निर्देशानुसार आपदा मित्र योजना के द्वितीय सत्र का प्रशिक्षण 7 सितंबर से प्रारंभ हुआ। नगर परिषद भुआ-बिछिया के मंगल भवन में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में 100 आपदा मित्रों ने सहभागिता की कार्यक्रम का शुभारंभ एसडीएम बिछिया कुलदीप पटेल एवं जनपद पंचायत बिछिया के सीईओ रमेश मांडवी की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद जिला सेनानी नरेश कुमार साहू ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्यों की जानकारी दी एसडीएम श्री पटेल ने आपदा मित्रों की भूमिका एवं उनके महत्व पर विस्तार से संवाद करते हुए प्रशिक्षण की सराहना की।

संचालक ने किया छात्रावास निरीक्षण

मण्डला (नि.प्र.) संयुक्त संचालक लोक शिक्षण जबलपुर संभाग घनश्याम सोनी द्वारा शासकीय कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास बीजाडांडी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रावास में उपलब्ध विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा छात्राओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं आवश्यकताओं एवं छात्रावास में मिल रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की श्री सोनी ने छात्रावास में भोजन व्यवस्था पेयजल, साफ-सफाई आवासीय व्यवस्था तथा अध्ययन के वातावरण का बारीकी से निरीक्षण किया उन्होंने छात्राओं से भोजन की गुणवत्ता एवं उपलब्ध अन्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली छात्राओं द्वारा अधिकांश व्यवस्थाओं को संतोषजनक बताया गया।

स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा

मण्डला (नि.प्र.) ग्राम पीपरपानी में स्वास्थ्य सेवाओं की सुदृढ़ता एवं जनजागरूकता के उद्देश्य से बीएमओ डॉ. सुमित सिंगौर एवं बीपीएम आदित्य पटैल ने भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने मलेरिया से पीड़ित मरीज से मुलाकात कर आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी समझाइश एवं मार्गदर्शन दिया। साथ ही आसपास के क्षेत्रों का भ्रमण कर ग्रामीणों को मलेरिया से बचाव एवं रोकथाम के उपायों के प्रति जागरूक किया गया।

शिल्पकार किशोर काल्पीवार की कलाकृति से सजा मुख्यमंत्री निवास, तीन फीट ऊंची राधा-कृष्ण प्रतिमा भेंट की

मण्डला (नि.प्र.)

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर श्रीकृष्ण पाथेय न्यास द्वारा मुख्यमंत्री निवास में आयोजित विशेष कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को राधा-कृष्ण की लगभग 3 फीट ऊंची आकर्षक प्रतिमा भेंट की गई। इस प्रतिमा की विशेषता यह है कि इसे मंडला के प्रसिद्ध शिल्पकार एवं मध्यप्रदेश के वरिष्ठ उद्यमी किशोर काल्पीवार ने तैयार की है। काल्पीवार मंडला की मृदुकिशोर मार्बल एवं ग्रेनाइट इंडस्ट्रीज के संचालक हैं और अपनी शिल्पकारी के लिए जाने व पहचाने जाते हैं न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीराम तिवारी ने बताया कि मूर्तिकार किशोर काल्पीवार मध्यप्रदेश की समृद्ध पारंपरिक शिल्प परंपरा को आधुनिक सृजनात्मक दृष्टि के साथ आगे बढ़ाने वाले कुशल शिल्पकार हैं। उनके द्वारा तैयार की गई राधा-कृष्ण की प्रतिमा में धार्मिक आस्था के साथ-साथ क्षेत्र की प्राकृतिक संपदा और स्थानीय शिल्प कौशल का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है इस प्रतिमा के निर्माण में जिस पत्थर का उपयोग किया गया है उसे गोंडवाना और महाकौशल क्षेत्र से प्राप्त प्राकृतिक शिलाखंडों से जोड़ा गया है बताया गया है कि इसके लिए मंडला क्षेत्र में नर्मदा नदी के किनारे उपलब्ध खदानों से प्राप्त पत्थर

का उपयोग किया गया है इस कारण यह प्रतिमा केवल धार्मिक कलाकृति ही नहीं बल्कि मंडला की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक पहचान को भी अपने भीतर समेटे हुए है बताया गया है कि प्रयुक्त चट्टानी संरचना लगभग 250 से 350 करोड़ वर्ष पुरानी मानी जाती है इसकी प्राकृतिक मजबूती उच्च घनत्व और कठोरता इसे मूर्ति निर्माण के लिए उपयुक्त बनाती है। पत्थर की जल-अवरोधक एवं मौसम-प्रतिरोधी प्रकृति के कारण इससे निर्मित कलाकृतियों के लंबे समय तक टिकाऊ रहने की संभावना रहती है किशोर काल्पीवार ने पत्थर की प्राकृतिक विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए प्रतिमा पर बारीक और सूक्ष्म नक्काशी का कार्य किया है। राधा-कृष्ण की प्रतिमा में चेहरे की भाव-भंगिमा आभूषण वस्त्रों की बारीकियां और अलंकरण को उकेरने में शिल्पकार की दक्षता दिखाई देती है विशेषज्ञता यह भी है कि जिस पत्थर पर काम किया गया है उसमें प्राकृतिक रूप से मौजूद तत्व प्रतिमा को विशिष्ट दृश्य प्रभाव प्रदान करते हैं। पत्थर की प्राकृतिक बनावट और उसमें मौजूद मैटेलिक तत्वों के कारण प्रतिमा में अलग तरह की आभा दिखाई देती है मुख्यमंत्री निवास में जन्माष्टमी के विशेष अवसर पर मंडला के शिल्पकार द्वारा तैयार राधा-कृष्ण की प्रतिमा भेंट किया जाना जिले के लिए गौरव का विषय माना जा रहा है। इससे मंडला की पारंपरिक मूर्तिकला, स्थानीय पत्थर और यहां के कारीगरों की प्रतिभा को प्रदेश स्तर पर पहचान मिलने की संभावना भी बढ़ी है मंडला लंबे समय से आदिवासी संस्कृति नर्मदा नदी प्राकृतिक संपदा और पारंपरिक कलाओं के लिए जाना जाता है। ऐसे में स्थानीय प्राकृतिक संसाधन से तैयार धार्मिक कलाकृति का मुख्यमंत्री को भेंट किया जाना क्षेत्र की कला और शिल्प परंपरा को सम्मान मिलने के रूप में देखा जा रहा है किशोर काल्पीवार की इस कलाकृति ने यह संदेश भी दिया है कि मध्यप्रदेश की पारंपरिक शिल्पकला को आधुनिक दृष्टिकोण और कुशल तकनीक के साथ आगे बढ़ाकर स्थानीय कलाकार प्रदेश और देश स्तर पर अपनी अलग पहचान बना सकते हैं। इसके पूर्व आयोद्धा के राममंदिर में भी लगे नक्कासी पत्थरों को भेजा गया था वहीं बनारस में भी मंडला में बनी पत्थरो की मूर्ति ने लोगों का दिल जीता है।

रेहान खान को जिला बदर किये जाने सौंपा ज्ञापन

मण्डला (नि.प्र.)

टिकरिया निवासी रेहान खान पिता जमील खान के विरुद्ध गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज होने के बाद उसके खिलाफ जिला बदर सहित अन्य वैधानिक कार्यवाही की मांग उठी है। इस संबंध में जिला दंडाधिकारी मंडला को आवेदन प्रस्तुत कर मामले में वर्तमान एवं पूर्व आपराधिक प्रकरणों की जांच कराने तथा कानून-व्यवस्था की स्थिति को ध्यान में रखते हुए निवारक कार्यवाही किए जाने मांग की गई है 6 सितंबर को थाना टिकरिया में एक नाबालिग आदिवासी बालिका के अपहरण एवं दुष्कर्म के आरोपों से संबंधित आपराधिक प्रकरण दर्ज किया गया है। शिकायत में यह भी दावा किया गया है कि संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध पूर्व में भी एक

नाबालिग बालिका से अभद्रता से संबंधित प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। हालांकि इन आरोपों और पूर्व प्रकरणों की वास्तविक स्थिति का अंतिम निर्धारण संबंधित जांच एवं न्यायिक प्रक्रिया से होना है शिकायतकर्ताओं का कहना है कि एक ही व्यक्ति के विरुद्ध गंभीर प्रकृति के वर्तमान एवं पूर्व प्रकरणों का उल्लेख सामने आने के बाद क्षेत्र में कानून-व्यवस्था तथा नाबालिग बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता उत्पन्न हुई है। इसी आधार पर प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक निवारक कार्रवाई करने मांग की गई है। आवेदन में जिला प्रशासन से मांग की गई है कि रेहान खान के विरुद्ध दर्ज वर्तमान और पूर्व आपराधिक प्रकरणों की जानकारी जुटाकर उसकी आपराधिक गतिविधियों एवं क्षेत्र की कानून-व्यवस्था पर उनके प्रभाव का परीक्षण कराया जाए। इसके बाद मध्यप्रदेश में लागू वैधानिक प्रावधानों के तहत यदि परिस्थितियां उपयुक्त पाई जाती हैं तो जिला बदर की कार्यवाही प्रारंभ की जाए शिकायत में संबंधित व्यक्ति के निवास मकान को लेकर भी प्रशासनिक जांच मांग की गई है भूमि एवं भवन के स्वामित्व निर्माण की अनुमति राजस्व अभिलेख तथा भवन निर्माण की वैधता सहित अन्य संबंधित दस्तावेजों की जांच कराने की मांग की है। आवेदन में कहा गया है कि यदि जांच के दौरान भवन का निर्माण अवैध अथवा शासकीय नियमों के विपरीत पाया जाता है, तो सक्षम प्राधिकारी द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जाए। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि 7 दिवस के भीतर नियमानुसार कार्यवाही नहीं की जाती है तो आंदोलन किया जाएगा। आवेदनकर्ताओं ने संभावित आंदोलन की जिम्मेदारी शासन-प्रशासन पर होने की बात कही है।

मिट्टी के गणेश बनाने पर कार्यशाला

मण्डला (नि.प्र.) स्थानीय मां रेवती कॉलेज ऑफ एजुकेशन में पर्यावरण संरक्षण नर्मदा नदी की स्वच्छता जल संवर्धन एवं पर्यावरण अनुकूल गणेशोत्सव को लेकर विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया कार्यशाला में विद्यार्थियों को मिट्टी से गणेश प्रतिमा बनाने का प्रशिक्षण दिया गया और नर्मदा नदी को प्रदूषण मुक्त रखने का संकल्प दिलाया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नर्मदा समग्र के समन्वयक दिनेश शाह एवं प्रहलाद क्षत्री उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को मिट्टी गणेश बनाने के महत्व की जानकारी देते हुए स्वयं अपने हाथों से मिट्टी की गणेश प्रतिमा बनाना सिखाया इसके अलावा प्रशासन द्वारा बनाए गए विशेष विसर्जन कुंडों एवं टंकियों का उपयोग करने की अपील की गई ताकि नर्मदा नदी को प्रदूषण से बचाया जा सके अतिथियों ने प्लास्टर ऑफ पेरिस और रासायनिक रंगों से होने वाले जल एवं मृदा प्रदूषण के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को प्राकृतिक मिट्टी से निर्मित गणेश प्रतिमाएं स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के संचालक डॉ. अभिषेक चौबे एवं प्राचार्य डॉ. कनिका खरे के मार्गदर्शन में हुआ कार्यशाला की संयोजक डॉ. कविता भावसार एवं दीक्षा कुशवाहा रही।

दिव्येश तिवारी बने सांसद प्रतिनिधि

मण्डला (नि.प्र.)

लोकसभा क्षेत्र के सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने जनपद पंचायत घुघरी क्षेत्र के लिए भाजपा नेता दिव्येश तिवारी पंकज को अपना सांसद प्रतिनिधि नियुक्त किया है दिव्येश तिवारी लंबे समय से भाजपा संगठन में

सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उन्होंने युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष घुघरी जिला कोषाध्यक्ष युवा मोर्चा मंडला मंडल महामंत्री एवं सेक्टर प्रभारी मंडल घुघरी तथा जिला कोषाध्यक्ष किसान मोर्चा मंडला सहित विभिन्न संगठनात्मक दायित्वों का निर्वहन किया है। पार्टी संगठन के प्रति उनकी सक्रियता कार्यकर्ताओं से निरंतर संपर्क और आमजन के बीच उनकी सक्रिय भूमिका को देखते हुए सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने उन्हें जनपद पंचायत घुघरी क्षेत्र के लिए अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया सांसद प्रतिनिधि के रूप में दिव्येश तिवारी क्षेत्र की स्थानीय समस्याओं को सांसद तक पहुंचाने और उनके निराकरण के लिए समन्वय की भूमिका निभाएंगे। नियुक्ति पर भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज मरकाम, जिला पंचायत सदस्य एवं भाजपा जिला मंत्री कौशल्या मरावी, जनपद पंचायत अध्यक्ष जनिया मरावी, भाजपा मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र धुर्वे, सलवाह मंडल अध्यक्ष राजकुमार चौकसे सहित अनेक जनप्रतिनिधियों पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने बधाई दी।

आप के प्रयास से मार्ग निर्माण का रास्ता साफ

मण्डला (नि.प्र.) आम आदमी पार्टी द्वारा महर्षि विद्या मंदिर बिंझिया जाने वाले जर्जर मार्ग के निर्माण को लेकर किए गए लगातार प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है 7 सितंबर को आम आदमी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल कलेक्टर से मुलाकात कर लगभग 14 दिन पूर्व दिए गए आवेदन पर हुई कार्यवाही एवं मार्ग की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली मुलाकात के दौरान प्रशासन द्वारा बताया गया कि उक्त मार्ग लंबे समय से कॉलोनी के मार्ग के रूप में दर्ज होने के कारण इसके निर्माण में समस्या आ रही थी। अब इस मार्ग को मध्यप्रदेश शासन के नाम कर दिया गया है जिसके बाद मार्ग का निर्माण ग्राम पंचायत बिंझिया द्वारा कराया जाएगा वर्तमान में नागरिकों की आवागमन संबंधी परेशानी को देखते हुए अस्थायी मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया है।तथा वर्षा ऋतु के बाद पक्की सड़क का निर्माण कराया जाएगा आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष पंकज सोनी ने कहा कि यह मार्ग वर्षों से खराब स्थिति में था। स्थानीय रहवासी लगातार आवेदन देकर सड़क निर्माण की मांग कर रहे थे। खराब सड़क के कारण स्कूल जाने वाले बच्चों अभिभावकों और स्थानीय नागरिकों को प्रतिदिन परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इस दौरान आम आदमी पार्टी जिला अध्यक्ष पंकज सोनी जिला संगठन मंत्री शिशु सिंधु भलावी एवं जिला उपाध्यक्ष आनंद प्रकाश तिवारी उपस्थित रहे।

प्रेरकों ने की सेवा बहाली की मांग

मण्डला (नि.प्र.)

अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर साक्षर भारत एवं प्रौढ़ शिक्षा अभियान से जुड़े देशभर के प्रेरकों ने सरकार से रोजगार एवं सेवा बहाली की मांग उठाई है। मध्य प्रदेश सहित उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के प्रेरकों ने कहा कि उन्होंने वर्षों तक गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर निरक्षर लोगों को साक्षर बनाने सर्वे करने तथा ग्रामीणों को शिक्षा और शासन की विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, लेकिन अभियान समाप्त होने के बाद बड़ी संख्या में प्रेरक बेरोजगार हो गए हैं मांग की है कि उनकी योग्यता और अनुभव के आधार पर पंचायत स्तर पर बीएलओ सहित अन्य उपयुक्त कार्यों में अवसर प्रदान किया जाए। इसके साथ ही शासकीय विद्यालयों तथा विभिन्न विभागों में उपलब्ध उपयुक्त पदों पर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर रोजगार या समायोजन दिया जाए।

जनसुनवाई में हुई सड़क निर्माण व आंगनवाड़ी चयन प्रक्रिया में लापरवाही और सहायता राशि व निधि संबधित शिकायतें

मण्डला (नि.प्र.) मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में 91 आवेदक अपनी समस्याएँ लेकर पहुँचे। जहां अधिकारियों ने समस्याओं को सुना और आवश्यक कार्यवाही के दिशा-निर्देश दिये। जनसुनवाई में परसवाडा तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत उकवा के निवासी शिवप्रसाद नेवर उनके वार्ड में अब तक सीसी रोड निर्माण ना किये जाने की शिकायत लेकर आये थे। उसने बताया कि उसके मकान तक जाने वाली गली में लंबे समय से मुरमीकरण नहीं हुआ है, जिससे बारिश के दौरान कीचड़ की स्थिति बन जाती है और आवागमन में परेशानी होती है। कीचड़ के कारण बच्चों को स्कूल आने-जाने में भी दिक्कत होती है। शिवप्रसाद ने वार्ड में सीसी रोड निर्माण और मुरमीकरण करने की मांग की। इस प्रकरण में जनपद सीईओ परसवाडा को

लेकर आये थे। उसने बताया कि आवेदन में ऑनलाइन राशन कार्ड सहित इढछ सर्वेक्षण की जानकारी दर्ज की गई थी। चयन सूची में उन्हें इढछ के 5 अंक नहीं मिलने से नाम चौथे स्थान पर आया है, जबकि अंक जुड़ने पर उनका स्थान प्रथम होने का दावा है। कृष्णा राणा ने विभाग से इढछ के 5 अंक जोड़ते हुए आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। इस प्रकरण में जिला पद पर चयन के बावजूद ज्वाइनिंग लेटर नहीं दिए जाने की शिकायत लेकर आई थी। ज्योति ने बताया कि ग्राम टेकाड़ी स्थित आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक-2 में सहायिका पद के लिए उनके द्वारा आवेदन किया गया था। 12 अगस्त 2026 को जारी चयन सूची में उनका नाम प्रथम क्रम पर दर्ज है, इसके बावजूद अब तक पदभार ग्रहण करने के लिए ज्वाइनिंग लेटर जारी नहीं किया गया है। उसने को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए हैं। जनसुनवाई में लांजी तहसील अंतर्गत ग्राम दहेगांव की निवासी छाया सिराने अंतजार्तीय विवाह प्रोत्साहन योजना का लाभ दिलाने की मांग लेकर आयी थी। छाया ने बताया कि 25 जुलाई 2023 को विशेष विवाह अधिकारी, जिला बालाघाट के समक्ष सामान्य समाज के विशाल सनपाल से उसने विवाह किया था, किंतु जानकारी के अभाव में अब तक उन्हें अनुसूचित जनजाति योजना के तहत मिलने वाली प्रोत्साहन राशि का लाभ नहीं मिल सका है। छाया सिराने ने शीघ्र उसे योजना का लाभ दिलाने की मांग की है। इस प्रकरण में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है। बालाघाट तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत पायली के बबीता सहारे पति की मृत्यु उपरांत अनुग्रह सहायता से अनुग्रह सहायता राशि का लाभ प्राप्त नही हुआ है। बबीता गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाली महिला है और उसकी आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर है अत~ उसे शीघ्र अनुग्रह सहायता राशि का लाभ दिलाया जाए। इस प्रकरण में जनपद सीईओ बालाघाट को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है। इसी तरह वारासिवनी क्षेत्र के ग्राम कन्हारटोला अमई के निवासी संजय इंदुरकर किसान सम्मान निधि की 19 किस्तों का भुगतान रोके जाने की शिकायत लेकर आये थे। उसने बताया कि शासन द्वारा प्रदान की जाने वाली किसान सम्मान निधि की लगातार 19 किस्तों की करीब 38 हजार रुपये की राशि उनके खाते में जमा हुई, लेकिन संबंधित बैंक शाखा द्वारा होल्ड लगाए जाने के कारण राशि का भुगतान नहीं किया जा रहा है।

रेवाड़ा विद्यालय में शिक्षकों के लिए विद्यार्थी प्रतिदिन दुकान से ले जाते हैं चाय, वीडियो हुआ वायरल

मण्डला (नि.प्र.) नैनपुर विकास खंड के ग्राम रेवाड़ा स्थित शासकीय विद्यालय का एक वीडियो ग्राम वासियों द्वारा बनाया गया जिसपर शिक्षा व्यवस्था और विद्यालय में शिक्षकों की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल खड़े कर दिया हैं। वीडियो में कथित तौर पर विद्यालय के शिक्षक विद्यार्थियों से चाय दुकान से चाय मंगवाते नजर आ रहे हैं।

वीडियो सामने आने के बाद अभिभावकों और ग्रामीणों में भी चर्चा का दौर शुरू हो गया है। बताया जा रहा है कि ग्राम रेवाड़ा के विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों से एक वार नहीं अनेकों बार शिक्षकों के द्वारा समय समय पर चाय दुकान से चाय मंगवाया जाता है । जिसका वीडियो चाय दुकान में बैठे लोगों के द्वारा बनाया गया जिसपर चाय दुकान से चाय लेकर दो छात्र विद्यालय लेजाते देंखे जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि विद्यालय विद्यार्थियों के अध्ययन और उनके सर्वांगीण विकास का स्थान है, जहां बच्चों को शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जाना चाहिए। ऐसे में यदि विद्यार्थियों से निजी कार्य अथवा चाय-पानी मंगवाया जा रहा है तो यह गंभीर विषय है। चाय लेजाते छात्रो का वीडियो ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामवासियों का कहना है कि विद्यालय में बच्चे पढ़ाई करने के लिए आते हैं उनसे शिक्षकों का निजी कार्य करवाना उचित नहीं है। अभिभावकों का यह भी कहना है कि विद्यालय में शिक्षक बच्चों के लिए आदर्श होते हैं। विद्यार्थियों के सामने शिक्षकों का आचरण उनकी सोच और व्यवहार को प्रभावित करता है।

संक्षिप्त समाचार

कार्यशाला में 60 शिक्षकों ने की सक्रिय सहभागिता

शिवपुरी। गीता पब्लिक स्कूल में सीबीएसई के 'स्वस्थ विद्यार्थी, सशक्त भविष्य' विषय पर दो दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कार्यशाला में विद्यालय के 60 शिक्षकों ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक एवं सामाजिक स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं के प्रति जागरूक करना तथा बदलते परिवेश में विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को समझकर उन्हें प्रभावी ढंग से संभालने के लिए सक्षम बनाना रहा। कार्यशाला में विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं कल्याण से जुड़े 11 महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया गया। इन विषयों में स्वस्थ विकास, भावनात्मक कल्याण एवं मानसिक स्वास्थ्य, पारस्परिक संबंध, मूल्य एवं जिम्मेदार नागरिकता, लैंगिक समानता, पोषण, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, मादक पदार्थों के दुरुपयोग की रोकथाम एवं प्रबंधन, स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना, प्रजनन स्वास्थ्य एवं एचआईवी की रोकथाम, हिंसा एवं चोटों से सुरक्षा तथा इंटरनेट, गैजेट्स और मीडिया के सुरक्षित उपयोग को बढ़ावा देना शामिल रहे। इस अवसर पर अनुराग गुप्ता, प्राचार्य, विद्या निकेत स्कूल, ग्वालियर तथा ललित कुमार चतुर्वेदी, पीजीटी, केंद्रीय विद्यालय, अशोकनगर ने रिसोर्स पर्सन के रूप में शिक्षकों का मार्गदर्शन किया। रिसोर्स पर्सन्स ने शिक्षकों को विद्यार्थियों के व्यवहार को समझने, संवेदनशीलता एवं धैर्य के साथ संवाद स्थापित करने तथा कक्षा में सुरक्षित, सकारात्मक एवं सहयोगात्मक वातावरण विकसित करने के व्यावहारिक तरीके बताए। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों ने विभिन्न गतिविधियों एवं संवादात्मक सत्रों के माध्यम से अपने अनुभव साझा किए और विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं कल्याण को बेहतर बनाने के प्रभावी उपाय सीखे। दो दिवसीय कार्यशाला में 60 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए प्रशिक्षण के विभिन्न सत्रों का लाभ उठाया। कार्यशाला का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि विद्यालय में ऐसा स्वस्थ, सुरक्षित एवं सकारात्मक वातावरण विकसित किया जाए, जो विद्यार्थियों के समग्र विकास एवं बेहतर भविष्य की मजबूत नींव बने।

नया अमोला में नजर आया बंडा में हुई शराब से मौतों का असर, मातृशक्ति का गुस्सा सातवें आसमान पर

महिलाओं ने शराब की दुकान में तोड़फोड़ कर लगाई आग, डर कर भागे कर्मचारी

नगर संवाददाता, शिवपुरी

सागर जिले के बंडा में हुई शराब से थोकबंद मौतों से भले ही शराबियों ने कोई सबक न लिया हो, लेकिन उनके परिवार की महिलाओं का गुस्सा सातवें आसमान पर है। इसका असर मंगलवार को शिवपुरी जिले के नया अमोला में उस समय नजर आया, जब आधा सैकड़ा से अधिक महिलाओं ने पहले शराब की दुकान में घुसकर तोड़फोड़ की और फिर उसमें आग लगा दी। इस घटना में शराब ठेकेदार को लगभग 10 लाख रुपए से अधिक का नुकसान होना बताया जा रहा है।

मंगलवार देर दोपहर नया अमोला की महिलाएं हाथों में लाठियां लेकर एकजुट हुईं। उन्होंने सबसे पहले कच्ची शराब बनाने वालों के ठिकाने पर पहुंचकर वहां तोड़फोड़ की। इसके बाद महिलाओं की यह टीम गांव में मौजूद अंग्रेजी-देशी शराब की दुकान पर

पहुंची। शराब की दुकान पर मौजूद ठेकेदार के कर्मचारी जब तक कुछ समझ पाते, तब तक महिलाओं ने दुकान में घुसकर शराब की बोतलों से लेकर पेटियों पर लाठियां बरसाकर उन्हें तोड़ना शुरू कर दिया। बताया जाता है कि महिलाओं के अचानक हुए इस हमले से डरे-सहमे शराब दुकान के कर्मचारी अपनी जान बचाकर दुकान से बाहर भागे। इसके चलते महिलाओं ने बिना किसी विरोध के शराब की दुकान में जमकर तोड़फोड़ की। शराब की बोतलें टूटने से पूरी दुकान में शराब फैल गई। इसी दौरान किसी महिला ने उसमें माचिस की जलती हुई तीली फेंक दी। आग की चिंगारी देखते ही देखते भड़क गई और शराब की यह दुकान पल भर में आग का गोला बन गई। सूचना मिलने पर आबकारी विभाग की टीम के अलावा शराब ठेकेदार के लोग भी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक दुकान में रखा शराब का जखीरा आग में जलकर खाक हो चुका था।

स्मैक से नशे के दो वीडियो सामने आए, पहले में स्मैक बेचता और दूसरे में नशा करते दिखा युवक

नगर संवाददाता, शिवपुरी

शिवपुरी शहर में स्मैक के नशे से जुड़े दो वीडियो सामने आए हैं। इन वीडियो में नशे की खरीद-बिक्री और सेवन को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस का 'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान भी चल रहा है। एक वीडियो में युवक स्मैक खरीदते-बेचते दिख रहे हैं। वहीं, दूसरे वीडियो में एक युवक सड़क किनारे सिरिंज से नशा करता नजर आ रहा है। पहला वीडियो लुधावली क्षेत्र के वार्ड नंबर 17 का बताया जा रहा है। इसमें कुछ युवक खुलेआम स्मैक की सौदेबाजी करते दिख रहे हैं। पुलिस वीडियो में नजर आ रहे युवकों की पहचान कर रही है।

पुलिस कर रही युवकों की पहचान

देहात थाना प्रभारी विकास यादव ने बताया कि स्मैक बेचने और खरीदने से जुड़ा एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में दिख रहे युवकों की पहचान की जा रही है। पहचान होने के बाद मामले में कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

सिरिंज से नशा करता दिख रहा युवक

दूसरा वीडियो हवाई पट्टी के पास लगने वाली रेत मंडी का है। इसमें एक युवक सड़क पर बैठकर सिरिंज से नशा करता दिख रहा है। युवक को नशा करते देख वहां मौजूद दो लोगों ने उसे पकड़ लिया। उन्होंने खुलेआम नशा करने पर युवक को फटकार लगाई। इस दौरान युवक ने बताया कि वह ईंट के कारोबार से जुड़ा है और फिजिकल थाना क्षेत्र का रहने वाला है।

समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर मोबाइल टावर पर चढ़ा युवक

नगर संवाददाता, शिवपुरी

जिले की ग्राम पंचायत दुल्हई में सोमवार शाम 34 वर्षीय गुलशन राजपूत जनसमस्याओं को लेकर मोबाइल टावर पर चढ़ गया। उसका कहना है कि गांव की समस्याओं को लेकर अधिकारियों से कई बार शिकायत की गई, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। युवक पटवारी की नियमित उपस्थिति, गौचर भूमि से कब्जा हटाने और गांव की सड़क से जुड़ी समस्या दूर करने की मांग कर रहा है।

पटवारी की नियमित उपस्थिति, गौचर भूमि से कब्जा हटाने और सड़क चौड़ी कराने की मांग

गुलशन का आरोप है कि दुल्हई गांव में पटवारी नियमित रूप से नहीं आते। इससे ग्रामीणों को राजस्व संबंधी कामों के लिए परेशानी होती है। उसने गांव की गौचर भूमि पर कुछ लोगों द्वारा कब्जा किए जाने का भी आरोप लगाया है और इसे हटाने की मांग की है। युवक के मुताबिक, मुख्य सड़क से दुल्हई गांव तक जाने वाला रास्ता संकरा हो गया है। सड़क के किनारे कुछ लोगों ने बाड़ और अन्य बाधाएं लगा रखी हैं। इससे ग्रामीणों को आने-जाने में परेशानी होती है। गुलशन का कहना है कि इन समस्याओं को लेकर अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई।

घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। रात करीब 8 बजे तक गुलशन राजपूत टावर पर ही था। भौंती थाना पुलिस मौके पर मौजूद रही और युवक को समझाकर नीचे उतारने की कोशिश करती रही। युवक टावर से नीचे उतरने के लिए तैयार नहीं था।

फर्जी सिम के खिलाफ ऑपरेशन फास्ट 2.0 में कार्रवाई

भौंती और मायापुर पुलिस ने 3 लोगों पर की एफआईआर

नगर संवाददाता, शिवपुरी

शिवपुरी जिले में साइबर फ्रॉड में इस्तेमाल हो रही फर्जी सिम के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। ऑपरेशन फास्ट 2.0 के तहत भौंती और मायापुर थाना पुलिस ने जांच के बाद तीन लोगों के खिलाफ अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय, भोपाल के निर्देश पर जिले में संदिग्ध सिम कार्ड और उन्हें जारी करने वाले एजेंटों की जांच की जा रही है। जांच में सामने आया कि कुछ सिम का इस्तेमाल साइबर अपराधों में किया गया। इसी आधार पर पुलिस ने सिम धारकों और सिम जारी करने वाले एजेंट के खिलाफ कार्रवाई की है।

भौंती थाना पुलिस को साइबर पोर्टल के जरिए ठगी की शिकायत मिली थी। राजस्थान के डीडवाना-कुचामन सिटी निवासी किशनलाल पुत्र मदनलाल ने शिकायत में बताया कि उन्हें दो मोबाइल नंबरों से फोन आया था। कॉल करने वालों ने खुद को

पुलिस अधिकारी बताया और एफआईआर दर्ज होने का डर दिखाया। इसके बाद आरोपियों ने किशनलाल से 12,520 रुपए फीनो पेमेंट्स बैंक के खाते में ट्रांसफर करा लिए। पीड़ित ने साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मोबाइल नंबरों की जांच की तो ठगी में इस्तेमाल किए गए नंबर 7067915249 और 6267266154 के सिम धारक ग्राम महोबा डामरौन निवासी राहुल जाटव पुत्र तुलाराम जाटव और भानुप्रताप जाटव पुत्र प्रभुदयाल जाटव पाए गए। भौंती थाना पुलिस ने राहुल जाटव और भानुप्रताप जाटव के खिलाफ आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इन सिम का इस्तेमाल साइबर ठगी में किस तरह किया गया।

ग्राहक से दस्तावेज लेकर किसी अन्य को दे दी सिम

पुलिस ने सिम जारी करने की प्रक्रिया और संबंधित दस्तावेजों की जांच की। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया सामने आया कि पवन कुमार लोधी ने ग्राहक के दस्तावेज लेकर उसके नाम से सिम एक्टिवेट की और उसे किसी दूसरे व्यक्ति को दे दिया। बाद में इसी सिम का इस्तेमाल साइबर अपराध में किया गया। जांच में इस सिम से कुल 13,040 रुपए की धोखाधड़ी सामने आई। मायापुर पुलिस ने पवन कुमार लोधी के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

मायापुर में एजेंट ने दूसरे व्यक्ति को दे दी सिम

इसी अभियान के तहत मायापुर थाना पुलिस ने फर्जी तरीके से सिम जारी करने के मामले में एयरटेल स्टोर, मायापुर के एजेंट पवन कुमार लोधी के खिलाफ भी केस दर्ज किया है। पुलिस को मिली एक एक्सेल शीट की जांच में पीओएस कोड 8085309715 के तहत पवन कुमार लोधी द्वारा जारी की गई एक सिम साइबर फ्रॉड से जुड़ी मिली। जांच में सिम नंबर 7898219481 रेखा पत्नी हल्के आदिवासी, निवासी ग्राम पड़ोरा के नाम पर दर्ज पाया गया। पुलिस ने रेखा से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि उन्होंने यह सिम कभी खरीदी ही नहीं थी और न ही उनके परिवार के किसी सदस्य ने इसका इस्तेमाल किया।

जनसुनवाईः जिलाधीश ने आवेदकों की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ किया त्वरित निराकरण

नगर संवाददाता, शिवपुरी

जिला मुख्यालय पर आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में जिलाधीश एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने सैकड़ों आवेदकों की समस्याओं एवं शिकायतों को अत्यंत संवेदनशीलता और गंभीरता से सुना। आम नागरिकों की समस्याओं का सुलभ और त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करते हुए जिलाधीश श्री वर्मा ने कई प्रकरणों का मौके पर ही समाधान कराया तथा जरूरतमंदों को तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की। कई मामलों में संबंधित विभागीय अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए गए।

लाड़ली लक्ष्मी योजना का तत्काल मिला लाभ

जनसुनवाई के दौरान जनपद शिवपुरी की ग्राम राजा की मुढैरी निवासी श्रीमती सीमा कुशवाह एवं उनके पति श्री राय सिंह कुशवाह ने अपनी पुत्री को लाड़ली लक्ष्मी योजना का लाभ न मिलने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। इस पर जिलाधीश अर्पित वर्मा ने तुरंत संज्ञान लेते हुए महिला एवं बाल विकास अधिकारी को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। आवेदक की समस्या का तत्काल निराकरण कराते हुए श्री राय सिंह कुशवाह को मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना का आश्वासन प्रमाण पत्र मौके पर ही सौंपा गया।

अधिकारियों को कड़े निर्देश, निराकरण में न हो लापरवाही

जिलाधीश श्री अर्पित वर्मा ने जनसुनवाई में उपस्थित विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि प्राप्त होने वाले सभी आवेदनों का बारीकी से परीक्षण कर निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के व्यक्ति तक बिना किसी बाधा के समय पर पहुंचना चाहिए।

सड़क दुर्घटना में घायल मजदूर को इलाज के लिए मिली आर्थिक सहायता

जनसुनवाई में ग्राम छार निवासी माया कोली ने सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल अपने पति के इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लगाई। जिलाधीश श्री वर्मा ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पीड़ित परिवार को तत्काल राहत पहुंचाने के लिए रेडक्रॉस मद से 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की और सहायता राशि का चेक प्रदान किया। इस त्वरित मदद पर माया कोली ने जिला प्रशासन एवं जिलाधीश श्री वर्मा का आभार व्यक्त किया।

शिक्षक दिवस पर अध्यापकों और मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

शिवपुरी। शिक्षक दिवस के अवसर पर लोकमाता देवी अहिल्याबाई नि:शुल्क छात्रावास, शिवपुरी द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों, मेधावी विद्यार्थियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों का सम्मान किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम के दौरान लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की तस्वीरें पुरानी शिवपुरी मंडल उपाध्यक्ष होतम सिंह बघेल द्वारा प्रदान की गईं। इन तस्वीरों को विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों को भेंट कर लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के आदर्शों और उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और मेहनत को जीवन का आधार बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि समाज की प्रगति में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है और विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए समाज के सभी वर्गों को आगे आना चाहिए। महेंद्र सिंह बघेल, युवा जिला अध्यक्ष, अखिल भारतीय पाल महासभा ने नि:शुल्क छात्रावास की गतिविधियों की सराहना करते हुए समाज के लोगों से छात्रावास के संचालन एवं विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए हरसंभव सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। समारोह में होतम सिंह बघेल सहित उपस्थित अतिथियों द्वारा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

करैरा में 45 लीटर हाथ भट्टी शराब जब्त 6,500 किलो लहान नष्ट, 4 प्रकरण दर्ज

नगर संवाददाता, शिवपुरी

जिलाधीश एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार शिवपुरी जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए आबकारी विभाग द्वारा वृत्त करैरा में सघन छापामार अभियान चलाया गया। जिला आबकारी अधिकारी शुभम दांगोड़े एवं वृत्त प्रभारी तीर्थराज भारद्वाज के नेतृत्व में आबकारी टीम ने करैरा क्षेत्र के संवेदनशील स्थानों पर योजनाबद्ध तरीके से दबिश देकर 45 लीटर हाथ भट्टी शराब जब्त की और 6,500 किलो गुड़ लहान मौके पर नष्ट किया।

जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि सागर जिले में जहरीली शराब से हुई मौतों की दुखद घटना के मद्देनजर शिवपुरी जिले में इस प्रकार की किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए जिलाधीश अर्पित वर्मा एवं आबकारी उपायुक्त के स्पष्ट निर्देशों पर यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत आम जनता से प्राप्त शिकायतों एवं सूचनाओं के आधार पर संवेदनशील क्षेत्रों में सघन चेकिंग और निगरानी निरंतर जारी है। अभियान के दौरान टीम ने फतेहपुर कंजर डेरे पर दबिश देकर शराब एवं लहान जब्त कर नष्ट करने की कार्रवाई की। वहीं, मंगला माता मंदिर के पास अवैध शराब बेचते हुए आरोपी प्रार्थना कंजर को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। इसके अतिरिक्त अनुविभागीय दंडाधिकारी करैरा अनुपम शर्मा के नेतृत्व में अशोक होटल पहाड़ी पर छापामार कार्रवाई कर एक प्रकरण दर्ज किया गया। इस प्रकार आबकारी अधिनियम के तहत कुल चार आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। उक्त संपूर्ण कार्रवाई में वृत्त प्रभारी डॉ. तीर्थराज भारद्वाज, उपनिरीक्षक राहुल गुप्ता, बृजराज शर्मा, लौकेश बेवारिया तथा आबकारी विभाग की अन्य टीम मौजूद रही। जिला आबकारी अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी नशीले पदार्थों और अवैध शराब के विरुद्ध चेकिंग अभियान एवं कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

15 दिन में मांगों का निराकरण नहीं होने पर बड़े आंदोलन की दी चेतावनी

सामाजिक न्याय एकता मंच ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

नगर संवाददाता, शिवपुरी

पिछोर नगर के बस स्टैंड पर मंगलवार को सामाजिक न्याय एकता मंच के बैनर तले पिछोर बचाओ जन आक्रोश सभा का आयोजन किया गया। हालांकि, पूर्व में यह आयोजन लोधी समाज द्वारा किए जाने की चर्चाएं होती रही थीं। आयोजन में कांग्रेस, भाजपा, लोधी समाज तथा अन्य दलों के नेता मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में कहा गया कि यह कार्यक्रम किसी राजनीतिक दल का नहीं है और न ही किसी के विरोध में प्रदर्शन है, लेकिन पूरे समय स्थानीय विधायक को निशाना बनाते हुए वक्ताओं ने संबोधन दिए।

क्षेत्र में अवैध रूप से बेची जा रही शराब को लेकर चिंता जताई गई। नेताओं ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए 15 दिन का समय दिया है। मंच से भाजपा नेता

एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष तथा कांग्रेस के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी अरविंद लोधी ने कहा कि 15 दिन के अंदर यदि क्षेत्र से अवैध शराब की बिक्री बंद नहीं होती है तो वह करैरा पर विशाल आंदोलन करेंगे। वहीं पदयात्रा भी निकाली जाएगी। शराब के अलावा यह कार्यक्रम स्थानीय शासन एवं प्रशासन के विरोध में विभिन्न व्यवस्थाओं और जनसमस्याओं को लेकर आयोजित किया गया। सभा की अध्यक्षता जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित पड़ेरिया ने की। सभा में मुख्य अतिथि महेंद्र सिंह लोधी, अरविंद सिंह लोधी, जिला पंचायत सदस्य मनीराम लोधी, बृजमोहन लोधी मुखिया जी, महेश डोंगर आदि अतिथिगण मंचासीन रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महेंद्र सिंह लोधी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हम रानी अवंतीबाई के वंशज हैं। हमने अंग्रेजों को खदेड़कर देश को आजाद कराया है। पिछोर में आज जगह-जगह शराब बेची जा रही है, जुआ-सट्टा खिलाया जा रहा है और राशन की कालाबाजारी की जा रही है। ऐसा हम नहीं होने देंगे। इसी कारण आज जन आक्रोश सभा का आयोजन करना पड़ा। मंचासीन जिला पंचायत सदस्य मनीराम लोधी ने कहा कि मेरे और मेरे साथियों के साथ चंदेरी के ग्राम महोली में जो घटना घटी थी, क्या वह ठीक थी? महारानी अवंतीबाई के सम्मान में सभी वर्गों के लोग वहां बैठे हुए थे। प्रशासन को झुकना पड़ा और पुनः प्रतिमा स्थापित हुई। उन्होंने कहा कि पिछोर की जनता पीड़ित है। हम पीड़ित लोगों का साथ देने के लिए हमेशा तैयार हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अमित पड़ेरिया ने कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब, जुआ और सट्टा चरम पर चल रहा है, जिसे रोकने में प्रशासन नाकाम है। यदि यह नहीं रुका तो उग्र आंदोलन करना पड़ेगा। अरविंद लोधी ने कहा कि गत दिवस मनीराम लोधी के साथ जो घटना घटित हुई, उससे मैं बहुत दुखी हूं। क्षेत्र में अत्याचार नहीं होने दूंगा। गांव-गांव में अवैध शराब की बिक्री पर प्रशासन को कार्रवाई करनी होगी। उन्होंने 11 सूत्रीय मांगों का 15 दिन में निराकरण करने की मांग प्रशासन के समक्ष रखी। साथ ही चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं हुईं तो उग्र आंदोलन करना पड़ेगा। क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर लोधी समाज ने एसडीएम एवं तहसीलदार शिवशंकर गुर्जर को ज्ञापन सौंपा।

दिव्यांगता और एक्सीडेंटल केस में फिजियोथैरेपी कारगर : डॉ. राजपूत

नगर संवाददाता, शिवपुरी

मंगलम परिसर स्थित जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र (डीआरसी) में मंगलवार को विश्व फिजियोथैरेपी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर केंद्र में आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को फिजियोथैरेपी के महत्व तथा इसके माध्यम से होने वाले उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में बताया गया कि विभिन्न बीमारियों, दिव्यांगता और दुर्घटना के मामलों में फिजियोथैरेपी के माध्यम से मरीजों को राहत दी जा सकती है। विशेषज्ञों ने कहा कि नियमित फिजियोथैरेपी से मांसपेशियों की कमजोरी, जोड़ों के दर्द, लकवा और दुर्घटना के बाद होने वाली शारीरिक समस्याओं में काफी सुधार होता है। इस मौके पर डीआरसी केंद्र के सीनियर फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. दयाल सिंह राजपूत

ने फिजियोथैरेपी दिवस के इतिहास और वर्तमान में इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि दवाओं के साथ-साथ फिजियोथैरेपी भी उपचार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिससे मरीज जल्दी स्वस्थ होकर सामान्य जीवन जी सकता है। कार्यक्रम में डीआरसी केंद्र के विकास शर्मा, ऑडियोलॉजिस्ट रणजीत सिंह, विकास जायसवाल, संजीव कुमार भार्गव, संजय कंसोटिया, रामेश्वर दयाल शर्मा, जगदीश जाटव, निसार खान सहित स्टाफ और बड़ी संख्या में मरीज उपस्थित रहे।

संपादकीय

जान से खिलवाड़

छात्रों के आवासीय ठिकाने के ढह जाने के बाद और इसमें सात मौतों की जानकारी अब तक आने से हड़कंप मचा हुआ है। सरकारी विभाग और तमाम एजेंसियां अब तत्परता दिखा रहे हैं,लेकिन सवाल यह उठना चाहिए कि यह सभी पहले कहां थे। दरअसल, दिल्ली में विश्वविद्यालय के दक्षिण परिसर के निकट स्थित पांच मंजिला इमारत ढहने की घटना से दिल्ली की राज्य सरकार अब जागी है। राजस्थान पहुंचकर पुलिस ने फरार हॉस्टल मालिक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके खिलाफ गैर इरादतन हत्या, भवन के रखरखाव में लापरवाही बरतने और दूसरों की सुरक्षा खतरे में डालने के आरोप दर्ज किए गए हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री के निर्देश पर पांच अधिकारियों को निलंबित किया गया है। इनमें दिल्ली नगर निगम के दक्षिण जोन के उपायुक्त, अधीक्षण अभियंता, अधिशासी अभियंता,सहायक अभियंता व कनिष्ठ अभियंता शामिल हैं। मजिस्ट्रीयल जांच करने के भी आदेश दिए हैं। यदि पहले ही बेगुनाह लोगों की जान से खिलवाड़ करने वाले भवनों की जांच करके मालिकों के विरुद्ध कार्रवाई की जाती तो यह नौबत क्यों आती। अक्सर उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं होती, जिनका दायित्व रिहाइशी भवनों व्यावसायिक भवनों में बदलने की जांच करना होता है? इस मुद्दे पर दिल्ली हाईकोर्ट की टिप्पणी काबिले गौर है जो उसने इस मुद्दे पर दायर जनहित याचिका पर की है। दिल्ली हाईकोर्ट ने दो टूक शब्दों में कहा कि इस हादसे के लिये सिर्फ भवन मालिक ही नहीं, बल्कि दिल्ली नगर निगम और दिल्ली विश्वविद्यालय भी जिम्मेदार है। विश्वविद्यालय अन्य राज्यों से आने वाले छात्रों के लिये रहने के लिये जरूरी सुविधा देने में विफल रहा है। जिसके कारण छात्रों को निजी पेइंग गेस्ट यानी पीजी में रहने को मजबूर होना पड़ रहा है। अदालत ने संबंधित विभागों को दस दिनों के भीतर याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा है। यह दुखदायक ही कहा जाएगा कि दिल्ली में पालम, विवेक विहार, साकेत, मालवीय नगर के बाद अब सत्य निकेतन का दुखद हादसा सामने आया है। यह भी दुखद है कि दिल्ली में लगातार हो रहे हादसों की लिस्ट लगातार लंबी होती जा रही है। इन सभी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं में एक बात समान है कि बेगुनाहों की मौत हुई हैं और इनकी वजह असुरक्षित इमारतें रही हैं। बिना मंजूरी के बदलाव, रिहायशी प्रॉपर्टी का व्यावसायिक इस्तेमाल और सबसे चिंताजनक नियम-कानून लागू करने में तंत्र की नाकामी ही है। यह विडंबना है कि समाज में लोगों की मजबूरी का फायदा उठाकर पैसा कमाने की हवस इस हद तक बढ़ गई है कि वे किसी के जीवन व मृत्यु की भी परवाह नहीं करते। दूरदराज के राज्यों से अपने सुनहरे सपने लेकर दिल्ली आने वाले छात्र मजबूरी में मुंहमांगे दाम देकर अमानवीय स्थिति वाले पीजी में रहने को मजबूर हो जाते हैं। जब जर्जर इमारतों की स्थिति को नजरअंदाज करके चलताऊ निर्माण कार्य कराये जाते हैं तो हादसा तय हो जाता है। हादसे का शिकार हुई सत्य निकेतन बिल्डिंग के लिये ग्राउंड फ्लोर और पहली मंजिल बनाने की अनुमति मिली थी। लेकिन नये प्लान की मंजूरी लिए बिना इसे पांच मंजिला बना दिया गया। क्या किसी एमसीडी अधिकारी की नजर इस अवैध निर्माण पर नहीं गई होगी, जब दशकों पुरानी यह इमारत जमींदोज हुई तो तब कथित तौर पर इसमें अवैध रूप से रेनोवेशन का काम चल रहा था। देश की राजधानी में नियामक कानूनों या बिल्डिंग कोड की कमी नहीं है। सही मायने में कमी है तो बस उनके ईमानदारी से लागू करने की है। सुरक्षित दिल्ली के लिये ही नहीं बल्कि तमाम ऐसे शहरों के लिये रोडमैप बनाने की जरूरत है,जहां छात्र रहकर पढ रहे हैं या युवा वर्ग नौकरी आदि कर रहे हैं।

सुविचार

न्याय और नीति लक्ष्मी के खिलौने हैं, वह जैसे चाहती है नचाती है।

ज्ञानवाणी

तुम्हारी सम्पदा है निष्ठा

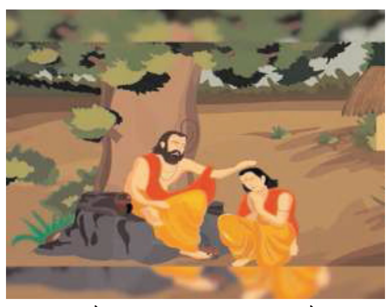

यदि तुम सोचने हो कि ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर का कुछ हित कर रही है, तो यह भूल है। ईश्वर या गुरु में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर या गुरु का कुछ नहीं करती। निष्ठा तुम्हारी सम्पदा है। निष्ठा तुम्हें बल देती है। तुममें स्थिरता, केंद्रीयता, प्रशांति और प्रेम लाती है। निष्ठा तुम्हारे लिए आशीर्वाद है। यदि तुममें निष्ठा का अभाव है, तुम्हें निष्ठा के लिए प्रार्थना करनी होगी।

परन्तु प्रार्थना के लिए निष्ठा की आवश्यकता है यह विरोधाभासी है। लोग संसार में निष्ठा रखते हैं परन्तु समस्त संसार सिर्फ साबुन का बुलबुला है। लोगों की स्वयं में निष्ठा है परन्तु वे नहीं जानते कि वे स्वयं कौन हैं! लोग सोचते है कि ईश्वर में उनकी निष्ठा है परन्तु वे सचमुच नहीं जानते कि ईश्वर कौन है।

निष्ठा तीन प्रकार की होती है- पहली है स्वयं में निष्ठा- स्वयं में निष्ठा के बिना तुम सोचते हो, मैं यह नहीं कर सकता, यह मेरे लिए नहीं, मैं कभी इस जिंदगी से मुक्त नहीं हो पाऊंगा। दूसरी है संसार में निष्ठा-संसार में तुम्हें निष्ठा रखनी ही होगी वरना तुम एक इन्च भी नही बढ़ सकते। यदि तुम सब पर शक करोगे, तब तुम्हारे लिए कुछ नहीं हो सकता। तीसरे ईश्वर में निष्ठा रखो, तभी तुम विकसित होगे। ये सभी निष्ठाएं आपस में जुड़ी हैं। प्रत्येक को मजबूत होने के लिए तुममें तीनों ही होनी चाहिए। यदि तुम एक पर भी शक करोगे, तुम सब पर शक करना आरम्भ कर दोगे। ईश्वर, संसार और स्वयं के प्रति निष्ठा का अभाव भय लाता है।

निष्ठा तुम्हें पूर्ण बनाती है-सम्पूर्ण संसार के प्रति निष्ठा होते हुए भी ईश्वर में निष्ठा न होने से पूर्ण शान्ति नहीं मिलती। यदि तुममें निष्ठा और प्रेम है तो स्वतः ही तुममें शांति और स्वतत्रता होगी।अत्यधिक अशान्त व्यक्तियों को समस्याओं से निकलने के लिए ईश्वर में निष्ठा रखनी चाहिए। निष्ठा और विश्वास में फर्क है। निष्ठा आरम्भ है, विश्वास परिणाम है। स्वयं के प्रति निष्ठा स्वतंत्रता लाती है। संसार में निष्ठा तुम्हें मन की शांति देती ह। ईश्वर में निष्ठा तुममें प्रेम जागृत करती है।

सेहत

दर्द में राहत देता है गुड़ और जीरे का सेवन

बदलते मौसम में शरीर का दर्द होना आम बात है। मौसम बदलते ही सर्दी-जुकाम, बुखार और शरीर दर्द की समस्या होने लगती है। इन समस्याओं से निजात दिलाने में बेहद असरकारी उपाय हैं गुड़ और जीरे का पानी का सेवन। बदलता मौसम जहां एक ओर आपके मूड को बदल देता है वहीं, दूसरी और यह सेहत पर भी असर ड़ालता है। अक्सर इस दौरान तबीयत खराब होने पर हम सीधा डॉक्टर के पास चले जाते हैं और बेहद गर्म दवाएं ले लेते हैं, जो सेहत पर कई तरह के साइड इफेक्ट भी डालती हैं। क्या हो अगर हम आपको इस बदलते मौसम में सेहतमंद रहने का एक असरकारी और स्वादिष्ट उपाय बताएं।

हर दर्द का इलाज है गुड़ और जीरे के घरेलू नुस्खे

एनिमियाः गुड़ और जीरे के सेवन से शरीर का दर्द तो कम होता ही है साथ ही खून की कमी या एनिमिया की समस्यां से भी छुटकारा दिलाता है।

पेट गैसः गुड़ और जीरे का पानी पीने से पेट गैस, पेट दर्द अपचन जैसी समस्याओं से छुटकारा मिलता है।

इम्यून सिस्टमः जीरा और गुड़ पानी पीने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है गुड शरीर के अंदर की गंदगी को साफ कर इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है।

पीरियड्स = में पीरियड्स का अनियमित होना महिलाओं में बड़ी समस्या बनता जा रहा है। गुड़ और जीरे के सेवन से पीरिड्स में फायदा मिलता है।

फीवर और सिरदर्दः सिरदर्द और बुखार में गुड़ और जीरे का पानी पीने से इस समस्यां से छुटकारा पाया जा सकता है।

कैसे बनाए गुड़ और जीरे का पानी-

गुड़- 100 ग्राम

एक छोटा चम्मच जीरा

विधि - एक बर्तन लें। उसमें 2 गिलास पानी डाल कर गर्म कर लें। उसमें गुड़ और जीरा डाल दें। गुड़ और जीरे को उबाल लें। जब अच्छे से उबल जाए, तो उसे नीचे उतार कर ठंडा होने दें। उसके बाद उस पानी को छानकर रख लें।

रोज सुबह खाली पेट इस पानी का सेवन करें। कुछ दिनों तक लगातार इस पानी को पीने से शरीर का हर प्रकार का दर्द कम हो सकता है या यूं कहें कि दर्द से छुटकारा मिल जाता है।

मौत का इंतजार करती इमारतें और गहरी नींद सोता प्रशासन

योगेश कुमार गोयल

सवाल केवल यह नहीं है कि इमारत क्यों गिरी बल्कि असली सवाल यह है कि इतनी पुरानी और संवेदनशील इमारत में बेसमेंट की खुदाई और निर्माण संबंधी गतिविधियां आखिर चल कैसे रही थी? हर बड़े भवन हादसे के बाद एक ही कहानी दोहराई जाती है। प्रशासन कहता है कि जांच होगी, कुछ छोटे अधिकारियों पर कार्रवाई होती है और कुछ दिनों बाद पूरा मामला फाइलों के नीचे दब जाता है। फिर किसी दूसरे इलाके में कोई और इमारत गिरती है, कहीं आग लगती है, कोई बेसमेंट मौत का कुआं बन जाता है और हम फिर वही प्रश्न पूछते रह जाते हैं कि आखिर जिम्मेदार कौन है? सच तो यह है कि भारत के शहरों में कोई बहुमंजिला अवैध निर्माण रातों-रात खड़ा नहीं होता।

दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के सत्य निकेतन में जो हृदयविदारक घटना घटित हुई है, वह केवल एक पांच मंजिला इमारत के भरभराकर गिरने की घटना नहीं बल्कि राजधानी की उस व्यवस्था का ढ़हना है, जिसकी नींव नागरिकों की सुरक्षा, कानून के शासन और प्रशासनिक जवाबदेही पर टिकी होनी चाहिए थी। जिस इमारत में कुछ घंटे पहले तक देश के अलग-अलग हिस्सों से आए युवा अपने भविष्य के सपने बुन रहे थे, देखते ही देखते वह ईंट, सीमेंट और लोहे के मलबे में बदल गई। धूल का गुबार तो छंट जाएगा, मलबा भी हट जाएगा, सड़कें फिर सामान्य हो जाएंगी लेकिन उन परिवारों के जीवन में जो शून्य पैदा हुआ है, वह कभी नहीं भर सकेगा। 'हॉस्टल डेज' नामक लड़कों के लिए बने पीजी की इस पांच मंजिला इमारत में हादसे के वक्त कई छात्र अपने कमरों में थे, जिनके मलबे में दबे होने की आशंका है। बताया जा रहा है कि इमारत लगभग 40-50 वर्ष पुरानी थी और हादसे के समय बेसमेंट में मरम्मत तथा खुदाई का काम चल रहा था। यही तथ्य इस त्रासदी को और भयावह बना देता है।

सवाल केवल यह नहीं है कि इमारत क्यों गिरी बल्कि असली सवाल यह है कि इतनी पुरानी और संवेदनशील इमारत में बेसमेंट की खुदाई और निर्माण संबंधी गतिविधियां आखिर चल कैसे रही थी? हर बड़े भवन हादसे के बाद एक ही कहानी दोहराई जाती है। प्रशासन कहता है कि जांच होगी, कुछ छोटे अधिकारियों पर कार्रवाई होती है और कुछ दिनों बाद पूरा मामला फाइलों के नीचे दब जाता है। फिर किसी दूसरे इलाके में कोई और इमारत गिरती है, कहीं आग लगती है, कोई बेसमेंट मौत का कुआं बन जाता है और हम फिर वही प्रश्न पूछते रह जाते हैं कि आखिर जिम्मेदार कौन है? सच तो यह है कि भारत के शहरों में कोई बहुमंजिला अवैध निर्माण रातों-रात खड़ा नहीं होता। जमीन का उपयोग बदलता है, नक्शा बनता है, निर्माण शुरू होता है, मंजिलें बढ़ती हैं, बिजली-पानी के कनेक्शन मिलते हैं और अंततः उस इमारत में व्यावसायिक गतिविधियां शुरू हो जाती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में अनेक विभागों और अधिकारियों की भूमिका होती है। ऐसे में यह कहना कि प्रशासन को कुछ पता ही नहीं था, जिम्मेदारी से बचने का सबसे आसान बहाना है। यदि कोई इमारत नियमों के विरुद्ध बन रही थी तो निर्माण के दौरान संबंधित नगर निगम अधिकारी कहां थे? यदि वहां व्यावसायिक गतिविधियां चल रही थी तो फायर विभाग ने सुरक्षा का आकलन क्यों नहीं किया? बिजली और पानी के कनेक्शन किस आधार पर मिले? पुलिस और स्थानीय प्रशासन की नजर उस भवन पर क्यों नहीं पड़ी? और यदि सब कुछ नियमों के अनुसार था तो फिर हादसा हुआ कैसे? यही वे प्रश्न हैं, जिनका जवाब केवल ठेकेदार या किसी छोटे कर्मचारी

को दोषी ठहराकर नहीं दिया जा सकता। सत्य निकेतन की त्रासदी इसलिए भी गंभीर है क्योंकि दिल्ली में पीजी संस्कृति तेजी से बढ़ी है। देशभर से राजधानी में पढ़ने, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने और रोजगार तलाशने आने वाले हजारों युवा ऐसी इमारतों में रहते हैं, जहां कमरे छोटे हैं, गलियां संकरी हैं, सीढ़ियां संकरी हैं और सुरक्षा मानकों की स्थिति अक्सर संदिग्ध रहती है। मकान मालिक के लिए कमरों की संख्या बढ़ाना कारोबार है लेकिन उस कमरे में रहने वाला छात्र अपने सपने लेकर वहां आता है। जब छह कमरों की अनुमति वाली इमारत में 25 से अधिक कमरे बना दिए जाते हैं, जब बेसमेंट को पार्किंग के बजाय व्यावसायिक गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जब एक ही निकास मार्ग पर सैंकड़ों लोगों की सुरक्षा निर्भर कर दी जाती है, तब यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं रहता, यह मानव जीवन के साथ खिलवाड़ बन जाता है। दिल्ली में अतीत की त्रासदियां भी हमें बार-बार चेताती रही हैं। 1997 का उपहार सिनेमा अग्निकांड हो या हाल के वर्षों में सामने आए बेसमेंट, कोचिंग सेंटर और व्यावसायिक इमारतों से जुड़े हादसे, हर घटना के बाद सुरक्षा मानकों पर सवाल उठे। बंद दरवाजे, अवरुद्ध निकास, अवैध निर्माण, अग्निशमन उपकरणों की अनुपलब्धता और प्रशासनिक उदासीनता बार-बार त्रासदियों की पृष्ठभूमि में दिखाई देती रही है। फिर भी व्यवस्था की स्मृति इतनी कमजोर है कि कुछ दिनों बाद सब कुछ फिर पुराने ढ़र्रे पर लौट आता है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि सस्पेंशन हमेशा छोटे कर्मचारी का ही क्यों होता है? यदि किसी इलाके में वर्षों तक अवैध निर्माण चलता रहा, यदि नियमों के विपरीत इमारतें खड़ी होती रही और उनमें पीजी, कोचिंग सेंटर, दुकानें या अन्य व्यावसायिक गतिविधियां चलती रही तो उस पूरे प्रशासनिक तंत्र की जवाबदेही तय होनी चाहिए, जिसने इसे होने दिया। तत्कालीन अवैध निर्माण प्रभारी, संबंधित वरिष्ठ अधिकारी, जोनल स्तर के जिम्मेदार अधिकारी और संबंधित विभागों की भूमिका की निष्पक्ष जांच क्यों न हो? यदि मिलीभगत प्रमाणित होती है तो कार्रवाई भी उसी अनुपात में कठोर क्यों न हो? समस्या किसी एक इमारत की नहीं है। दिल्ली और देश के तमाम शहरों में हजारों ऐसी इमारतें हैं, जो बाहर से सामान्य दिखाई देती हैं लेकिन भीतर से मौत के जाल में बदल चुकी हैं। कहीं बेसमेंट में अवैध निर्माण है, कहीं बिना वेंटिलेशन के कोचिंग सेंटर, कहीं संकरी सीढ़ियां, कहीं बंद खिड़कियां, कहीं लोहे की ग्रिलें और कहीं एक ही प्रवेश-निकास द्वार। अग्निशमन उपकरण कई जगह केवल निरीक्षण के समय दिखाने के लिए रखे जाते हैं और आपातकालीन निकास कागजों पर मौजूद रहते हैं, वास्तविकता में नहीं। ऐसी स्थिति में हादसा होने पर दमकल की गाड़ियां भी संकरी गलियों में फंस जाती हैं। बचाव दल के पास पहुंचने का रास्ता नहीं होता और अंदर फंसे लोगों के पास बाहर निकलने का रास्ता नहीं होता। फिर कुछ ही मिनटों में एक इमारत कब्रिस्तान में बदल जाती है। अब जरूरत केवल दोषी खोजने की नहीं, व्यवस्था बदलने की है। दिल्ली की सभी पुरानी बहुमंजिला और व्यावसायिक इमारतों का व्यापक सुरक्षा ऑडिट होना चाहिए। पीजी, हॉस्टल, कोचिंग सेंटर और बेसमेंट में संचालित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की अनिवार्य जांच होनी चाहिए। फायर एनओसी की प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल, पारदर्शी और समयबद्ध हो। अवैध निर्माण पर केवल जुर्माना लगाकर उसे वैध बनाने की प्रवृत्ति समाप्त होनी चाहिए। गंभीर उल्लंघन वाली इमारतों को तत्काल सील और आवश्यकतानुसार ध्वस्त किया जाना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण यह कि जिम्मेदारी ऊपर तक जानी चाहिए। किसी दुर्घटना के बाद दो-चार छोटे कर्मचारियों को निलंबित कर देना प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, अक्सर जिम्मेदारी से बचने का तरीका बन जाता है। यदि किसी अधिकारी की लापरवाही, मिलीभगत या भ्रष्ट आचरण के कारण लोगों की जान जोखिम में पड़ी है तो उसके विरुद्ध कठोर आपराधिक कार्रवाई होनी चाहिए। पद जितना बड़ा हो, जवाबदेही भी उतनी ही बड़ी होनी चाहिए। सत्य निकेतन का मलबा केवल ईंट-पत्थरों का ढ़ेर नहीं है। उसके नीचे प्रशासनिक दावों की विश्वसनीयता, भवन सुरक्षा के नियमों और नागरिकों के भरोसे की भी परीक्षा हो रही है। इस त्रासदी को 'हादसा' कहकर आगे बढ़ जाना सबसे बड़ा अपराध होगा। हादसा वह होता है, जिसे रोका न जा सके लेकिन जिस दुर्घटना की जमीन अवैध निर्माण, नियमों की अनदेखी, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही से तैयार होती है, उसे केवल हादसा कहना सच्चाई को छोटा करना है। यदि इस बार भी जांच के नाम पर खानापूर्ति हुई, छोटे कर्मचारियों पर गाज गिराकर बड़े जिम्मेदार बच निकले और कुछ लाख रुपये के मुआवजे को न्याय का विकल्प बना दिया गया तो अगली त्रासदी केवल समय की प्रतीक्षा करेगी। तब फिर कोई इमारत गिरेगी, कोई परिवार उजड़ेगा, कोई बच्चा मलबे में दबेगा और हम फिर पूछेंगे कि आखिर असली गुनहगार कौन है? जबकि सच हम सभी जानते होंगे। गुनहगार केवल वह व्यक्ति नहीं होगा, जिसने अवैध निर्माण किया बल्कि गुनहगार वह पूरा तंत्र होगा, जिसने उसे बनने दिया, चलने दिया और तब तक आंखें बंद रखी, जब तक मलबे ने चीखना शुरू नहीं कर दिया।

लोकप्रियता का नया डिजिटल कीर्तिमान और बदलते भारत का आर्थिक महाशक्ति मॉडल

अशोक भाटिया

समकालीन भारतीय राजनीति में जनभावनाओं के उभार, चुनावी रणनीतियों और किसी राजनेता की लोकप्रियता को मापने के पारंपरिक पैमाने अब पूरी तरह बदल चुके हैं। हाल ही में 8 सितंबर 2026 को गुजरात के वडोदरा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भव्य कार्यक्रम नमो फॉर विकसित भारत को लेकर हुए अभूतपूर्व पंजीकरण ने न केवल एक नया इतिहास रचा , बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श में आधुनिक तकनीक के समावेश को एक सर्वथा नई दिशा भी दी है। यह देश के राजनीतिक इतिहास में संभवतः पहला ऐसा अवसर है जब किसी निर्वाचित राष्ट्रप्रमुख के सार्वजनिक कार्यक्रम में जन-भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक व्यावसायिक ऑनलाइन टिकटिंग प्लेटफॉर्म BookMyShow का सहारा लिया गया और देखते ही देखते मात्र एक घंटे के भीतर पूरा मैदान आरक्षित हो गया। आमतौर पर मनोरंजन, सिनेमा, अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों और बड़े संगीत कंसर्ट के टिकटों के लिए दिखने वाला डिजिटल क्रेज जब किसी राजनीतिक और पूरी तरह से विकास-केंद्रित कार्यक्रम के लिए दिखाई देने लगे, तो यह स्पष्ट रूप से रेखांकित करता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन-अपील अपने कार्यकाल के इतने वर्षों बाद भी अपने चरम पर बनी हुई है। इस अभूतपूर्व पंजीकरण प्रक्रिया के समाप्त होने के बाद भी बयालीस हजार से अधिक लोगों का लगातार वेटिंग लिस्ट में बने रहना यह साबित करता है कि जनता अपने नेता को सुनने, उनसे संवाद करने और उनके विजन से जुड़ने के लिए किस कदर उत्सुक है। यह घटना केवल एक सफल इवेंट मैनेजमेंट या प्रशासनिक तत्परता का उदाहरण भर नहीं है, बल्कि यह इस बात का स्पष्ट संकेतक है कि भारतीय समाज का एक बड़ा वर्ग, विशेषकर नव-मतदाता, युवा और तकनीक-सचेत नागरिक, अब विकास की राजनीति को किस तरह से आत्मसात कर रहे हैं और देश के भविष्य को लेकर कितने सजग हैं।

इस पूरे घटनाक्रम के अंतर्निहित संदेशों को समझने के लिए हमें उस प्रशासनिक और राजनीतिक नवाचार का गहराई से विश्लेषण करना होगा, जो वडोदरा नगर निगम और स्थानीय प्रशासन ने मिलकर इस ऐतिहासिक जनसभा के लिए पेश किया । पारंपरिक रूप से भारतीय राजनीति में रैलियों और जनसभाओं में भीड़ जुटाने के तौर-तरीके हमेशा से विवादों, राजनीतिक रस्साकशी और गंभीर अव्यवस्थाओं के घेरे में रहे हैं, जहाँ बसों और ट्रकों में भरकर लोगों को लाने, असंगठित भीड़ के कारण सुरक्षा घेरे को तोड़ने और यातायात व्यवस्था के पूरी तरह ध्वस्त होने जैसी स्थितियाँ आम हुआ करती थीं। इसके विपरीत, वडोदरा के महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी पवेलियन ग्राउंड में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम के लिए डिजिटल माध्यम से मुफ्त क्यूआर-कोड आधारित एम-टिकट जारी करना एक क्रांतिकारी और अनुकरणीय कदम है। यह दृष्टिकोण न केवल उस पुरानी वीआईपी संस्कृति को पीछे छोड़ते हुए आम नागरिकों को गरिमापूर्ण तरीके से सीधे कार्यक्रम का हिस्सा बनने का पारदर्शी अवसर देता है, बल्कि सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिहाज से भी भविष्य की रैलियों के लिए एक नया वैश्विक मॉडल प्रस्तुत करता है। जब प्रत्येक आगंतुक के पास एक प्रमाणित डिजिटल पास होता है, तो कार्यक्रम स्थल पर होने वाली अफरातफरी और भगदड़ जैसी अप्रिय घटनाओं की आशंका पूरी तरह समाप्त हो जाती है। यह पूरी पारदर्शी प्रक्रिया यह भी दर्शाती है कि प्रधानमंत्री का डिजिटल इंडिया का सपना अब केवल बैंकिंग सेवाओं, सरकारी योजनाओं या वित्तीय लेन-देन तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि उसने राजनीतिक भागीदारी, लोकतांत्रिक अधिकारों और नागरिक संवाद के बुनियादी तौर-तरीकों को भी पूरी तरह से बदलकर रख दिया है।

इस संदर्भ में, वडोदरा और समग्र गुजरात का आर्थिक व औद्योगिक महत्व इस पूरे विमर्श को एक बेहद मजबूत और ठोस धरातल प्रदान करता है। गुजरात आज भारतीय अर्थव्यवस्था का एक ऐसा मुख्य इंजन बन चुका है, जो देश के कुल निर्यात में लगभग एक तिहाई की हिस्सेदारी रखता है और वैश्विक निवेशकों के लिए भारत का प्रवेश द्वार बना हुआ है। वहीं वडोदरा, जिसे पारंपरिक रूप से संस्कारी नगरी या कला, साहित्य और संस्कृति की राजधानी माना जाता था, आज भारत के सबसे तेजी से उभरते हुए आधुनिक औद्योगिक, हैवी इंजीनियरिंग और फार्मास्युटिकल हब के रूप में अपनी अंतरराष्ट्रीय धाक जमा चुका है। भारत के कुल बिजली पारेषण और वितरण उपकरण निर्माण का लगभग 35 प्रतिशत हिस्सा अकेले वडोदरा और उसके आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों से आता है, जो इसे देश का एक प्रमुख ऊर्जा-इंजीनियरिंग केंद्र बनाता है। यही नहीं, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स और एयरबस के संयुक्त उद्यम के तहत इसी वडोदरा की धरती पर स्थापित की गई सी-295 (C-295) परिवहन विमान निर्माण सुविधा ने इस शहर को वैश्विक रक्षा निर्माण (डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग) के नक्शे पर अग्रिम पंक्ति में ला खड़ा किया है। विमान निर्माण की यह ऐतिहासिक परियोजना न केवल देश को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना रही है, बल्कि स्थानीय स्तर पर हजारों कुशल इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञों के लिए रोजगार के नए द्वार खोल रही है। जब किसी ऐसे शहर में विकास की एक सर्वथा नई इबारत लिखी जा रही हो, जो सीधे तौर पर देश की जीडीपी को रफ्तार दे रहा हो, तो वहाँ के नागरिकों का देश के नीति-नियंता के प्रति ऐसा जबरदस्त डिजिटल उत्साह दिखाना पूरी तरह स्वाभाविक हो जाता है। गुजरात की यह आर्थिक ताकत और वडोदरा की औद्योगिक उद्यमशीलता ही वह धुरी है, जिस पर आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक मैन्युफैक्चरिंग सुपरपावर बनने का विशाल राष्ट्रीय सपना टिका हुआ है। इस असाधारण डिजिटल दीवानगी के पीछे जो सबसे महत्वपूर्ण और तात्कालिक कारक है, वह है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकास केंद्रित एजेंडा, जिसे वे विकसित भारत के संकल्प के रूप में देश के सामने लगातार रख रहे हैं। 8 सितंबर 2026 का यह वडोदरा दौरा केवल एक औपचारिक राजनीतिक जनसभा नहीं थी , बल्कि यह क्षेत्र के आर्थिक परिदृश्य को बदलने वाली पैंतीस हजार करोड़ रुपये से अधिक की विशाल विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास का एक ऐतिहासिक राष्ट्रीय उत्सव भी था। इन परियोजनाओं में वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के तीन मुख्य सेक्शन को राष्ट्र को समर्पित किया जाना सबसे प्रमुख है, जो मालगाड़ियों की गति और देश की रसद (लॉजिस्टिक्स) क्षमता को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में मील का पत्थर साबित होंगी। इसके साथ ही वडोदरा-रतलाम जैसी बड़ी रेलवे योजनाओं के विस्तार, नई यात्री ट्रेनों की शुरुआत और राष्ट्रीय राजमार्गों के आधुनिकीकरण से जुड़े कई बड़े प्रोजेक्ट्स भी पश्चिमी भारत के आर्थिक बुनियादी ढांचे को एक नया आयाम देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। देश की जनता अब इस बात को भली-भांति समझती है कि बुनियादी ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर) में किया जा रहा यह ऐतिहासिक निवेश सीधे तौर पर बड़े निजी निवेश को आकर्षित करेगा, व्यापार को सुगम (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) बनाएगा और आम आदमी के जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार लाएगा। इसलिए, जब लोग बुकमायशो जैसे प्लेटफॉर्म पर सुबह-सुबह टिकट बुक करने के लिए डिजिटल कतार में खड़े होते हैं, तो वे वास्तव में केवल एक राजनीतिक भाषण सुनने के लिए नहीं, बल्कि देश के आधुनिक भविष्य को गढ़ने वाले इस युगांतकारी बदलाव के प्रत्यक्ष गवाह बनने के लिए अपनी उत्सुकता और राष्ट्र निर्माण में अपनी मौन सहमति दर्ज करा रहे होते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों और समाजशास्त्रियों के लिए यह संपूर्ण घटनाक्रम एक बेहद गंभीर और दीर्घकालिक अध्ययन का विषय होना चाहिए कि कैसे एक नेतृत्व अपने कार्यकाल के इतने वर्षों के बाद भी अपनी जन-आकर्षण क्षमता को न केवल अक्षुण्ण बनाए रखने में सफल है, बल्कि उसमें निरंतर नए प्रयोगों के माध्यम से वृद्धि भी कर रहा है। समकालीन राजनीति के आलोचक अक्सर एंटी-इंकंबेंसी (सत्ता विरोधी लहर) और लंबे समय तक सत्ता में रहने के कारण जनता में आने वाली स्वाभाविक ऊब की बात करते हैं, लेकिन वडोदरा के इस ताजा अनुभव ने उन सभी पारंपरिक थ्योरीज और चुनावी कयासों को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया है। इसका मुख्य कारण यह है कि प्रधानमंत्री मोदी ने खुद को निरंतर बदलते भारत की नई आकांक्षाओं, तकनीकी प्रगति और वैश्विक प्राथमिकताओं के साथ पूरी तरह जोड़े रखा है। वे केवल अतीत की सरकारी उपलब्धियों को नहीं भुनाते, बल्कि आने वाले दशकों का एक स्पष्ट, पारदर्शी और साहसिक खाका देश के सामने रखते हैं, जो सीधे तौर पर आज की युवा पीढ़ी को अपनी ओर आकर्षित करता है। आज का युवा वर्ग, जो सोशल मीडिया, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल स्पेस में जीता है, वह देश की राजनीति और शासन व्यवस्था में भी उसी गति, पारदर्शिता, जवाबदेही और आधुनिकता की अपेक्षा करता है।

पीडब्ल्यूडी की सड़क बनी दलदल, 7 गांवों का संपर्क कटा

▸ सरार के सरपंच ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, 3 दिन में सुधार की मांग

रायसेन (नि.प्र.)

सांची जनपद क्षेत्र की ग्राम पंचायत सरार में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा बनाई जा रही सड़क बारिश में कीचड़ में तब्दील हो चुकी है. माध्यमिक शाला से फूल सिंह टपरा और खेड़ा टोला पहुंच मार्ग की हालत इतनी बदतर हो चुकी है कि पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है.

ठेकेदार और लोक निर्माण विभाग की लापरवाही का खामियाजा क्षेत्र के लगभग आधा दर्जन से अधिक गांवों के हजारों ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है.

सड़क के दलदल में तब्दील होने से क्षेत्र का सड़क संपर्क पूरी तरह से बाधित हो गया है. इस मुख्य मार्ग से सरार, बरजोरपुर, दहिडा, सरार खेड़ा और कोलीखेड़ा समेत लगभग 7 गांवों के ग्रामीण प्रतिदिन आवाजाही करते हैं. बच्चों को स्कूल जाने, बुजुर्गों व मरीजों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. आपातकालीन स्थिति में एम्बुलेंस या अन्य वाहन भी गांव तक नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिससे हर पल किसी हादसे का डर बना रहता है. ग्राम पंचायत सरार के सरपंच नरेश चौधरी ने मामले की शिकायत रायसेन कलेक्टर और लोक निर्माण विभाग पीडब्ल्यूडी के वरिष्ठ अधिकारियों से की है. सरपंच ने अधिकारियों को लिखित आवेदन सौंपकर सड़क के घटिया निर्माण की उच्च स्तरीय जांच कराने और ठेकेदार पर सख्त कार्रवाई की मांग की है. इसके साथ ही चेतावनी दी है कि यदि 3 दिन के भीतर सड़क की मरम्मत कर इसे चलने योग्य नहीं बनाया गया, तो वे समस्त ग्रामीणों के साथ अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल और उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे.

340 क्वार्टर शराब व बाइक जब्त

रायसेन (नि.प्र.) **अवैध शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस चौकी जैथारी ने द्य कार्रवाई करते हुए करीब 42 हजार रुपये मूल्य की 340 क्वार्टर देशी मसाला शराब तथा लगभग 40 हजार रुपये कीमत की बिना नंबर की मोटरसाइकिल जब्त की है. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया.**

पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति बिना नंबर की मोटरसाइकिल पर बोरियों में अवैध शराब लेकर ग्राम घोघरी से प्रतापगढ़ की ओर जा रहा है. सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराते हुए पुलिस ने घेराबंदी कर संदिग्ध वाहन को रोका.

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम बृजेश यादव पिता शम्भुदयाल यादव (32 वर्ष), निवासी ग्राम बिछुआ, चौकी जैथारी, थाना सिलवानी बताया. तलाशी के दौरान उसके कब्जे से दो बोरियों में रखी 340 क्वार्टर देशी मसाला मदिरा, जिसकी कीमत लगभग 42 हजार रुपये है, तथा एक बिना नंबर की मोटरसाइकिल बरामद की गई. पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम में मामला दर्ज कर कार्रवाई की तथा आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया.

एक नजर में

मांगों को लेकर कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

रायसेन (नि.प्र.) मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के बैनर तले शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं पंचायत विभाग के कर्मचारियों ने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम दो अलग -अलग ज्ञापन एसडीएम प्रियंका भलावी को देकर कर्मचारी हित में उपरोक्त मांगों को शीघ्र स्वीकृत किए जाने की प्रबल मांग रखी है . मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ बेगमगंज अध्यक्ष दीपक सोनी के नेतृत्व में संदीपिनी विद्यालय प्रांगण से एकत्रित हुए कर्मचारियों ने रैली निकालकर नारेबाजी करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया और एसडीएम कार्यालय पहुंचकर एसडीएम प्रियंका भलावी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम शिक्षक पात्रता परीक्षा लिए जाने का विरोध करते हुए पांच सूत्री मांगों को लेकर ज्ञापन दिया जबकि दूसरा ज्ञापन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम 23 सूत्रीय मांगों को लेकर दिया गया है, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री से कर्मचारियों के हितों में सभी मांगे शीघ्र स्वीकृत किए जाने की मांग करते हुए आग्रह किया है कि कर्मचारियों के हितों के लिए उनकी नियोजित मांगों को स्वीकार किया जाए .

अब दो -दो मंगलवार को होगी जनसुनवाई

रायसेन (नि.प्र.) एसडीएम प्रियंका भलावी ने आमजन की समस्याओं के निराकरण को लेकर एक अहम फैसला लेते हुए अब प्रति माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को बेगमगंज तथा द्वितीय एवं चतुर्थ मंगलवार को सुल्तानगंज तहसील में जनसुनवाई करने का सार्थक निर्णय लेकर अच्छा कदम उठाया है . आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं प्रशासन को जनसुलभ बनाने के उद्देश्य से अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बेगमगंज द्वारा जनसुनवाई के आयोजन की व्यवस्था निर्धारित की गई है .

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को तहसील कार्यालय बेगमगंज में तथा द्वितीय एवं चतुर्थ मंगलवार को तहसील कार्यालय सुल्तानगंज में जनसुनवाई आयोजित की जाएगी .

जनसुनवाई में क्षेत्र के नागरिक राजस्व, पंचायत, नगरीय निकाय, खाद्य, विद्युत, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित विभिन्न विभागों से संबंधित अपनी समस्याएं एवं शिकायतें प्रस्तुत कर सकेंगे . जनसुनवाई के दौरान संबंधित सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे, ताकि प्राप्त शिकायतों का मौके पर परीक्षण कर यथासंभव त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जा सके .

जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित किया जाएगा तथा समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं .

बंडा की घटना को लेकर कांग्रेसियों ने दिया ज्ञापन

रायसेन (नि.प्र.) सागर जिले के बंडा क्षेत्र में जहरीली शराब से हुई मौतों के विरोध में बेगमगंज, सुल्तानगंज क्षेत्र में बिक रही अवैध शराब एवं नशीले पदार्थो की बिक्री पर सख्ती से रोक लगाने की मांग को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा रैली के रूप में नारेबाजी करते हुए तहसील कार्यालय पहुंचकर एक ज्ञापन एसडीएम के नाम पर नायब तहसीलदार विक्रमसिंह को दिया . ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष संदीप विश्वकर्मा के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में बंडा की घटना के दोषियों पर कठोर कार्रवाई के साथ मांग की गई है कि बेगमगंज , सुल्तानगंज क्षेत्र में बिक रही अवैध शराब , नशीले पदार्थो से युवाओं के भविष्य विपरीत प्रभाव पड़ रहा है . बेगमगंज में अवैध शराब निर्माण , भंडारण एवं बिक्री पर विशेष अभियान चलाया जाकर रोक लगाई जाए .

मंदिरों के आसपास साफ-सफाई के निर्देश

▸ श्रीगणेश उत्सव, डोलग्यारस को लेकर शांति समिति की बैठक

रायसेन (नि.प्र.) 14 सितंबर से श्रीगणेश चतुर्थी पर्व प्रारंभ होने एवं डोल ग्यारस पर्व को लेकर थाना परिसर में एसडीएम प्रियंका भलावी की अध्यक्षता एवं एसडीओपी सोनाली गुप्ता, थानाप्रभारी राजीव उइके, नायब तहसीलदार विक्रमसिंह, नगरपालिका परिषद सीएमओ राजेंद्र शर्मा, बिजली कंपनी के सहायक यंत्री भूरेलाल शाक्य की मौजूदगी में शांति समिति की बैठक हुई.

बैठक में विशेष रूप से हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष सचिन नेमा , मुस्लिम त्यौहार कमेटी अध्यक्ष आरिफ राइन , नपाध्यक्ष संदीप लोधी , भाजपा अध्यक्ष अजय जाट इत्यादि सहित दोनों समुदाय के प्राय: अधिकांश सदस्य शामिल हुए. हिंदू उत्सव समिति के द्वारा श्रीगणेश उत्सव एवं डोल ग्यारस पर होने वाले कार्यक्रमों की विस्तार से रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि सार्वजनिक स्थानों पर श्रीगणेश प्रतिमाओं की झांकिया लगेगी. जिस पर प्रतिदिन धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे. वहीं डोल ग्यारस पर विभिन्न मोहल्ले से सजेधजे विमान में सवार होकर बालगोपाल नगर भ्रमण करते हुए मुख्य कार्यक्रम स्थल गांधी बाजार पहुंचेंगे. कुछ सदस्यों के सुझाव पर श्रीगणेश स्थापना स्थल एवं सभी मंदिरों के आसपास एवं रास्तों की प्रतिदिन विशेष सफाई , बिजली व्यवस्था एवं पेयजलापूर्ति रखने के साथ स्थापना स्थल या उनके आसपास एवं आम सार्वजनिक रास्तों से अतिक्रमण हटाने एवं ट्रैफिक व्यवस्था बनाने के निर्देश एसडीएम प्रियंका भलावी एवं एसडीओपी सोनाली गुप्ता द्वारा नगरपालिका प्रशासन , बिजली कंपनी एवं पुलिस विभाग को देते हुए दोनों समुदाय के लोगों से पूर्व की भांति सभी त्यौहार शांति - सद्भाव एवं आपसी भाईचारे से मनाने की अपील की.

सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान

रायसेन (नि.प्र.) **शिक्षक दिवस पर गूगलवाड़ा के सेवानिवृत्त शिक्षकों, चयनित अधिकारियों और मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान कार्यक्रम भोपाल में आयोजित किया गया. यह कार्यक्रम शैलेंद्र सिंह चौहान एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ.**

कार्यक्रम में ग्राम गूगलवाड़ा के 100 से अधिक छात्र छात्राएं और दो दर्जन सेवानिवृत और वर्तमान शिक्षक शामिल हुए . वर्तमान में नव चयनित प्रशासनिक पुलिस और अन्य सेवा के अधिकारियों को भी सम्मान किया गया. कार्यक्रम में भुवनेश चौहान डिप्टी कलेक्टर, स्वीटी चौहान नायब तहसीलदार, रश्मि चौहान, नगर नियोजन अधिकारी, स्वाति चौहान चाइल्ड प्रोटेक्शन ऑफिसर, राजकुमार चौहान, अरुण चौहान, रणजीत सिंह चौहान अन्य प्रतिभाएं सम्मानित हुई . प्रतिभाशाली छात्र- छात्राओं में विश्वास, प्रांजलि, आराध्य, लक्ष्य मानसी, सिमरन, उज्ज्वल शिवानी, दीपिका परव, विवेक, निशा, अश्मिता, खुशी, रमा, सुहानी, माहेश्वरी, वैष्णवी, मोहिनी को पुरस्कृत किया गया.

अमानक स्पीड ब्रेकर से रातभर गूंजते हैं धमाके

▸ वाहन चालकों को हादसे का खतरा, रात में सो नहीं पा रहे आसपास के लोग

रायसेन (नि.प्र.) **सांची से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर सांदीपनि विद्यालय के समीप बनाए गए अमानक गतिअवरोधक अब स्थानीय नागरिकों के लिए परेशानी का सबब बनते जा रहे हैं. छात्रों की सुरक्षा के नाम पर बनाए गए इन स्पीड ब्रेकरों में तकनीकी मानकों की अनदेखी किए जाने से जहां वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा बना हुआ है, वहीं आसपास रहने वाले लोगों की रातों की नींद भी उड़ गई है.**

सबसे चिंताजनक स्थिति यह है कि इन गतिअवरोधकों को लेकर स्थानीय नागरिक कई बार शिकायत कर चुके हैं और समाचार पत्रों के माध्यम से भी जिम्मेदार विभागों का ध्यान आकर्षित कराया जा चुका है. इसके बावजूद राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़े जिम्मेदार विभाग और जिला प्रशासन अब तक समस्या के स्थायी समाधान को लेकर गंभीर नजर नहीं आए हैं. दिन में वाहन चालक किसी तरह इन गतिअवरोधकों को देख लेते हैं, लेकिन रात में पर्याप्त रेडियम मार्किंग, संकेतक एवं चेतावनी बोर्ड नहीं होने से ये वाहन चालकों को स्पष्ट दिखाई नहीं देते. तेज रफ्तार वाहन अचानक स्पीड ब्रेकर पर चढ़ते हैं तो जोरदार धमाके जैसी आवाज होती है. रातभर वाहनों के गुजरने से होने वाली इन तेज आवाजों के कारण आसपास के रहवासियों, बुजुर्गों और छोटे बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

स्थानीय निवासी संजीत वर्मा का कहना है कि विद्यालय के पास बच्चों की सुरक्षा के लिए गतिअवरोधक बनाए जाना उचित है, लेकिन उन्हें निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप बनाया जाना चाहिए. वर्तमान में इनकी बनावट और संकेत व्यवस्था ऐसी है कि वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा और बढ़ गया है. कई बार शिकायत करने के बावजूद सुधार नहीं होना जिम्मेदार विभागों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है.

100 साल पुराने घोड़ापछाड़ पुल पर 8 इंच गहरे गड्ढे

▸ हर दिन हजारों राहगीरों की जान जोखिम में

रायसेन (नि.प्र.) **कस्बे के पास घोड़ापछाड़ नदी पर बना करीब 100 साल पुराना पुल इन दिनों हादसे का इंतजार कर रहा है. भोपाल-विदिशा स्टेट हाईवे-18 पर स्थित इस पुल के दोनों सिरों पर करीब 7 फीट लंबे और 8 इंच तक गहरे गड्ढे हो गए हैं.**

मुख्य सड़क पर लंबी दरारें हैं. भारी वाहन गुजरते हैं तो पुल में कंपन महसूस होता है. स्थानीय लोगों का आरोप है कि शिकायतों के बाद भी एमपीआरडीसी ने केवल रेलिंग की मरम्मत और गड्ढों पर अस्थायी डामर की लीपापोती कर खानापूर्ति की है. हर चार मिनट में सैकड़ों वाहन इस मार्ग से गुजरते हैं. ऐसे में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है.पुल की सड़क पर बने गड्ढों और दरारों से दोपहिया वाहन चालकों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है. आए दिन मोटरसाइकिल और स्कूटर के टायर दरारों में फंस जाते हैं, जिससे चालक अनियंत्रित होकर गिर रहे हैं. स्कूली बसों और अन्य वाहन चालकों में भी अनहोनी का डर बना हुआ है. स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के बाद गड्ढों में पानी भरने से उनकी गहराई का अंदाजा लगाना और मुश्किल हो जाता है. स्थानीय लोगों के अनुसार भोपाल, विदिशा, सागर, बीना और उत्तर प्रदेश की ओर जाने वाले वाहनों की लगातार आवाजाही रहती है. व्यस्त मार्ग पर पुल की जर्जर स्थिति से हादसे का खतरा बढ़ गया है. ग्रामीणों का कहना है कि पुल की स्थिति को देखते हुए एमपीआरडीसी को तत्काल निरीक्षण कर स्थायी मरम्मत करानी चाहिए. ताकि किसी बड़े हादसे से पहले खतरा टाला जा सके. रातातलाई ग्राम पंचायत के सरपंच रघुवीर मीणा ने कहा, 'भोपाल-विदिशा हाईवे-18 के मुक्तापुर गांव के पास स्थित यह पुल बेहद जर्जर हो चुका है. बड़े-बड़े और गहरे गड्ढे हो गए हैं. जिम्मेदार अफसर ध्यान न देकर लोगों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं. '

कांग्रेस नेता नीरज जैन 'बंटी भैया' ने कहा, 100 साल पुराने इस पुल में बार-बार गड्ढे हो जाते हैं. पुल के दोनों तरफ गहरे-गहरे गड्ढे हैं. बाइक चालक गिरकर घायल हो रहे हैं और कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना घट सकती है.

संत कमल किशोर नागर को धमकी, सुरक्षा की मांग

▸ बेगमगंज में सकल हिंदू समाज ने सौंपा ज्ञापन

रायसेन (नि.प्र.) राष्ट्रीय संत कमलकिशोर नागर को धमकी देने वालों की गिरफ्तारी और उन्हें सुरक्षा प्रदान किए जाने को लेकर मंगलवार को सियावास हिंदू उत्सव समिति के तत्वाधान में नागरिकों ने तहसील कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री एवं मप्र पुलिस महानिदेशक के नाम एक ज्ञापन नायब तहसीलदार विक्रमसिंह हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष सचिन नेमा के नेतृत्व में देते हुए दोषियों पर सख्त कार्रवाई ओर तत्काल गिरफ्तारी की मांग रखी. ज्ञापन में धमकी देने वाले अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के साथ ही संत नागर की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाए जाने की मांग की गई.

▸ सिलवानी में सनातन समाज ने सौंपा ज्ञापन

रायसेन (नि.प्र.) मंगलवार को सनातन समाज के द्वारा पं. कमल किशोरी नागर को जान से मारने की धमकी के मामले में मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार नरेन्द्र परमार को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच, दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई तथा संत की सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की मांग की. ज्ञापन में बताया गया कि 4 सितम्बर को श्रीगुरु कृपा शहरी गौशाला, भूराजबारा, जिला झाबुआ में पं. कमल किशोर नागर के सानिध्य में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के अवसर पर सत्संग के कार्यक्रम के दौरान एक धमकी भरा पत्र प्राप्त हुआ, जिसमें संत को जान से मारने की धमकी दी गई है. समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि मामले की निष्पक्ष एवं गहन जांच कर दोषी व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई की जाए.ज्ञापन देने वालों में महेश नामदेव, पूर्व हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष नारायण यादव, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष मुकेश राय, हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष राजीव सोनी, शरद माताम्बर, राजकूमार साहू, राहुल नामदेव आदि उपस्थित रहे.

आरती की मौत का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

▸ झगड़े के दौरान कुएं में धकेलने का आरोप, आरोपी को जेल भेजा

रायसेन (नि.प्र.) **थाना सिलवानी क्षेत्र के ग्राम रानीपुरा में खेत के कुएं में मृत मिली 28 वर्षीय आरती आदिवासी की मौत के मामले में पुलिस ने खुलासा कर आरोपी को महज 12 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया. पुलिस के अनुसार महिला की मौत हादसा नहीं, बल्कि झगड़े के दौरान कुएं में धकेले जाने से हुई थी.**

जानकारी के अनुसार 6 सितंबर को ग्राम रानीपुरा निवासी आरती आदिवासी उम्र 28 वर्ष अपने पिता प्रीतम सिंह आदिवासी के खेत में बने कुएं में मृत मिली थी. पुलिस जांच के अनुसार, विवाद के दौरान प्रदीप रघुवंशी ने कथित रूप से आरती को जान से मारने की नीयत से कुएं में धकेल दिया. पानी में डूबने से आरती की मौत हो गई. घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया. मामले में पुलिस ने आरोपी प्रदीप रघुवंशी पिता देवेन्द्र सिंह रघुवंशी, उम्र 32 वर्ष, निवासी ग्राम वेगवाकलां, थाना सिलवानी के विरुद्ध धारा 103(2) बीएनएस एवं धारा 3(2)(वी) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की. आरोपी प्रदीप रघुवंशी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया. कार्रवाई में एसडीओपी कुंवर सिंह मुकाती, निरीक्षक संजीत परते, सहायक उप निरीक्षक कृष्णपाल चंदेल, प्रधान आरक्षक अजीत राय, राजेश गौतम, आरक्षक अरविन्द, विक्रम एवं सैनिक अजय राजपूत की सराहनीय भूमिका रही.

युवा संगम मेला ▸ - बेगमगंज में जिला स्तरीय युवा संगम मेला सम्पन्न

रोजगार के लिए कंपनियों ने 259 युवाओं का किया चयन

रायसेन (नि.प्र.)

बेरोजगार युवक-युवतियों को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंगलवार को आईटीआई भवन सभागार में जिला स्तरीय युवा संगम स्वरोजगार मेले का आयोजन किया गया. आमंत्रित 9 कंपिनियो में 315 बेरोजगार युवाओं ने पंजीकरण कराया, उनमें से 259 का रोजगार के लिए चयन किया गया.

रोजगार विभाग, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, शासकीय आईटीआई और एनआरएलएम (आजीविका मिशन) के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस मेले में जिले भर से सैकड़ों युवाओं ने भाग लिया. मेले का शुभारंभ मुख्य अतिथि नपाध्यक्ष संदीप लोधी ने किया विशेष अतिथि के तौर पर एसडीएम प्रियंका भलावी मौजूद थी . वहीं जनपद पंचायत सीईओ मोघराज मीना , मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन समन्वयक सुधीर सोनी ,जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र महा प्रबंधक आशुतोष गुप्ता, सहायक प्रबंधक अरविंद दांगी ,उद्योग विभाग से प्रबंधक दीपशिखा वर्मा, राजेंद्र सिंह रघुवंशी , जिला रोजगार कार्यालय से कैलाश रघुवंशी आईटीआई प्रिंसिपल उमेश बकोरे मौजूद रहे.

नपाध्यक्ष संदीप लोधी ने नगर की युवा उद्यमी शिवानी राजपूत को मुख्यमंत्री उद्यम योजना में वर्गी कंपोस्ट खाद बनाने के लिए 8 लाख एवं पीएम स्व-निधि योजना में दो हितग्राहियों सुषमा यादव , सुमित्रा बाई को 25 - 25 हजार के चेक प्रदान किए. 9 निजी कंपनियों में श्रीजी केंपस हायरिंग, होम हेल्प सेंटर, प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन, शुभम इंटरप्राइजेस, फ्री जॉब ओरिएंटेड ट्रेंनिंग प्रोग्राम, पुष्कल एग्रोटेक लिमिटेड, पुष्पराज हेल्थ केयर, सागर मैन्युफैक्चरिंग एवं हायरिंग ग्रुप इत्यादि कंपनियों द्वारा युवाओं का चयन किया गया.

बारिश के दौरान बगीचा रहेगा एकदम हरा-भरा, इन बातों का रखें ध्यान

बालकनी में बैठ पकौड़े और चाय की चुस्कियों के साथ बारिश के मौसम का आनंद लेने का अलग ही मजा होता है। कई बार तो लोग मानसून के दौरान बाहर घूमने जाने का भी प्लान बना लेते हैं। छाता से लेकर रेनकोट हर चीज की व्यवस्था हम बारिश शुरू होने से पहले कर लेते हैं। लेकिन इस दौरान सबसे ज्यादा नुकसान छोटे और हल्के पौधों को पहुंचता है। वैसे तो बारिश का पानी प्राकृतिक रूप से पौधों की ग्रोथ करने में कारगर होते हैं। अगर बारिश के मौसम में ठीक से ख्याल रखा जाए तो हम अपने प्लांट को पूरे मौसम हरा-भरा रख सकते हैं। इस आर्टिकल में आज हम आपको उन छोटी-छोटी बातों के बारे में बताने जा रहे हैं,जिसकी मदद से आप इनकी केयर कर सकती हैं।

इन तरीके से करें बारिश में गार्डन और पौधों की देखभाल

- बारिश शुरू होने से पहले पौधों के नीचे वाली पत्तियों को तोड़कर हटा दें।
- इस मौसम में पौधों के गमले के ऊपर तक 3 भाग मिट्टी और 1 भाग गोबर की खाद को मिक्स करके भरें। ऐसा इसलिए क्योंकि अगर आप गमले का ऊपरी हिस्से खाली छोड़ देंगे तो इसमें पानी भर जाएगा और पौधे सड़ जाएंगे।
- 1 हफ्ते के अंतराल में पौधों पर होममेड पेस्टिसाइड का छिड़काव करें। ऐसा करने से पौधों में कीड़े नहीं लगेंगे।
- ग्रोथ होने पर समय-समय पर पौधों की कटिंग करें। इससे प्लांट्स में नए पत्ते तेजी से ग्रो करेंगे।
- बारिश के कारण मिट्टी गीली रहती है। ऐसे में इसमें पानी तब ही डालें जब मिट्टी सूखने लगे।
- प्लांट्स में पानी भरने पर उसे निकाल दें। इसके अलावा पौधों को एक जगह से दूसरी जगह शिफ्ट करते रहें।
- अगर आप प्लांट्स को उठाकर दूसरी जगह नहीं रख सकते हैं तो इसके ऊपर शीट या पन्नी लगाएं।
- कई बार हम खुली जगह पर पौधे लगाते हैं जो बड़े होने के बाद घने हो जाते हैं। इस स्थिति में अपने हर एक प्लांट्स को अच्छे से चेक करें। सभी पौधों को बराबर पानी मिल रहा है या नहीं। इसके साथ किसी पौधे में कीड़े तो नहीं लग गए हैं।
- पॉट का इस्तेमाल करते समय यह जरूर चेक करें कि उसमें होल है या नहीं। होल को मिट्टी से ढके नहीं। एक्स्ट्रा पानी गमले से आसानी से निकल जाए इसके लिए होल के ऊपर ईट का छोटा टुकड़ा लगाकर मिट्टी भरें।
- अगर आपने पॉट को स्टैंड पर रखा है तो उसके नीचे लगी प्लेट को दूसरे दिन साफ करें।
- हल्के व बेल वाले पौधेको किसी लकड़ी या फिर स्टैंड के सहारे टिकाएं। इससे पौधे तेज हवा और पानी के झोंके से नहीं टूटेंगे।

लॉन्ग कुर्ती में दिखना है स्टनिंग तो पहले जान लें यह रूल्स

जब भी एथनिक वियर की बात होती है तो सूट का नाम लिया जाता है। हालांकि, इन दिनों आपको मार्केट में केवल कंप्लीट सूट सेट ही नहीं मिलता, बल्कि अलग से कुर्तियां भी अवेलेबल हैं, जिन्हें कई तरह से स्टाइल किया जा सकता है।

खासतौर से, लॉन्ग कुर्ती की मदद से आप ना केवल एथनिक लुक क्रिएट कर सकती हैं, बल्कि इंडो-वेस्टर्न स्टाइल को भी कैरी किया जा सकता है। इतना ही नहीं, आप केजुअल्स से लेकर आउटिंग यहां तक कि पार्टीज में भी इन लॉन्ग कुर्ती को स्टाइल कर सकती हैं।

आमतौर पर देखने में आता है कि महिलाएं इन लॉन्ग कुर्तीज को केवल लेगिंग्स के साथ पेयर करती हैं, हालांकि, इन्हें अन्य भी कई तरीकों से कैरी किया जा सकता है। इतना ही नहीं, हर बार आप एक ही लॉन्ग कुर्ती को कई अलग-अलग तरीकों से कैरी करके एक न्यू लुक क्रिएट कर सकती हैं।3

जींस के साथ करें स्टाइल

यह लॉन्ग कुर्ती को स्टाइल करने का एक सिंपल लेकिन बेहतरीन आईडिया है। जींस के साथ हर टाइप की कुर्ती बेहद ही स्टाइलिश लगती है। भले ही वह फ्रंट ओपनिंग कुर्ती हो या फिर प्रिंटेड कुर्ती। आप चाहें तो इस लुक में स्टनिंग एसेसरीज कैरी करके एक स्टाइल स्टेटमेंट क्रिएट कर सकती हैं या फिर स्कार्फ को भी इस आउटफिट के साथ पेयर किया जा सकता है।

श्रग में दिखेंगी स्टनिंग

अगर आप लॉन्ग कुर्ती को आउटिंग के दौरान कैरी कर रही हैं और अपने लुक से सबको इंप्रेस करना चाहती हैं तो ऐसे में आप इसके साथ श्रग कैरी कर सकती हैं। इस तरह आप अपने लुक में कलर ब्लॉकिंग कर सकती हैं। लॉन्ग कुर्ती विद श्रग स्टाइल में आप बॉटम वियर में लेगिंग्स से लेकर प्लाजो तक को पेयर कर सकती हैं। इसके साथ एक लॉन्ग पेंडेंट आपके लुक को खास बनाएगा।

सिगरेट पैंट्स के साथ करें पेयर

अगर आप ऑफिस में लॉन्ग कुर्ती को स्टाइल करना चाहती हैं तो ऐसे में आप सिगरेट पैंट्स के साथ इसे पेयर कर सकती हैं। इसमें मैचिंग कलर से लेकर कॉन्ट्रास्टिंग कलर दोनों ही काफी अच्छे लगते हैं। वहीं फुटवियर में आप हील्स के अलावा जूतियां भी पेयर कर सकती हैं।

शरारा के साथ करेंगी रॉक

यह लॉन्ग कुर्ती को स्टाइल करने का एक बेहतरीन आईडिया है। अगर आप पार्टी में लॉन्ग कुर्ती को पहनना चाहती हैं तो इसके साथ शरारा कैरी किया जा सकता है। यूं तो शरारा को कुर्ती के साथ मैचिंग कलर में सलेक्ट किया जा सकता है। लेकिन इसके अलावा, अगर आप चाहें तो व्हाइट या क्रीम कलर के शरारा को भी पेयर कर सकती हैं। इस लुक में चुनरी को भी कैरी किया जा सकता है। आप शरारा से मैचिंग चुनरी को पेयर करें। इसके साथ एसेसरीज में ब्रेसलेट काफी अच्छे लगते हैं।

लॉन्ग कुर्ती विद लेयर्ड स्कर्ट

अगर आप लीक से हटकर लॉन्ग कुर्ती को स्टाइल करना चाहती हैं तो ऐसे में आप लेयर्ड स्कर्ट को अपने लुक का हिस्सा बनाएं। इसमें आप सॉलिड कलर्स को सलेक्ट कर सकती हैं। साथ ही कलर कॉन्ट्रास्टिंग करके अपने लुक को खास बना सकती हैं। खासतौर से, लॉन्ग स्ट्रेट कट कुर्ती के साथ फ्लेयर्ड स्कर्ट की पेयरिंग का ऑप्शन बेहद खास लगता है। इस लुक में आप ओकेजन के अनुसार एसेसरीज को सलेक्ट कर सकती हैं।

भूख लगने पर शिशु देता है कुछ ऐसे संकेत

शिशु बोलकर आपको अपनी बात या जरूरत नहीं समझा सकता है इसलिए इतने छोटे बच्चे की बात आपको ही समझनी पड़ती है। बड़े बच्चों को जब भी भूख लगती है, वो बोलकर आपको बता देते हैं लेकिन नन्हे शिशु की बात और जरूरत को समझना मुश्किल होता है क्योंकि ये सिर्फ रोकर ही अपनी बात कहते हैं और अभी इन्होंने बोलना शुरू नहीं किया होता है। नवजात शिशु बोलकर अपनी बात नहीं की सकता है लेकिन वो कुछ संकेतों की मदद से आपको अपनी जरूरत के बारे में जरूर बताता है। अब आपको उसकी बात समझनी होगी।

पहली बार पेरेंट बने

अगर आप पहली बार पेरेंट बने हैं, तो शिशु की भाषा को समझना आपके लिए थोड़ा मुश्किल हो सकता है। शुरुआत में आपको इसमें दिक्कत हो सकती है लेकिन धीरे-धीरे आप सब सीख जाएंगे। शिशु की बात समझने में सबसे ज्यादा दिक्कत आती है कि बच्चे को कब भूख लगी है। अगर आपका बच्चा यहां बताए गए कुछ संकेत दे रहा है, तो समझ लें कि उसे भूख लगी है।

शिशु से मिलने वाले कॉमन साइन

अगर बच्चा जागा हुआ है और एलर्ट दिख रहा है, तो यह इस बात का साफ संकेत है कि उसे भूख लगी है। आपकी अटेंशन पाने के लिए शिशु अपने शरीर को हिलाता है। वो अपने पैर और हाथ इधर-उधर मारेगा।

कैसे समझें शिशु के संकेत

यदि शिशु लगातार अपनी उंगलियों को मुंह में ले रहा है, तो समझ लें कि उसे दूध पीना है। जब बच्चे को बहुत तेज भूख लगती है, तब वो अपना सिर हिलाने लगता है। बेचैन होने पर बच्चा मुंह भी बनाने लगता है। तेज से रोने का भी यही मतलब है कि शिशु को भूख लगी है। भूख लगने का यह सबसे स्पष्ट संकेत होता है।

दूध पीने के बाद भी रोए तो

नन्हा शिशु रोकर ही अपनी बात कहता है और भूख लगने का सबसे स्पष्ट संकेत भी वो रोकर ही देता है लेकिन कई बार शिशु के रोने की कोई और वजह भी हो सकती है। अगर दूध पीने के बाद भी बच्चा रो रहा है, तो इसके पीछे कोई और कारण हो सकता है। कई शिशु दूध पीने के बाद सोना चाहते हैं इसलिए दूध पिलाने के बाद बच्चे को सुलाने की कोशिश करें।

शिशु के रोने के कारण

आमतौर पर शिशु दिन में सबसे ज्यादा बार भूख लगने पर ही रोता है। वो रोकर आपको यह बताने की कोशिश करता है कि उसे भूख लगी है और दूध पीना है। लेकिन हर बार या हर रोज शिशु भूख की वजह से ही रो रहा है, ये जरूरी नहीं है। पेट दर्द या गैस की वजह से भी शिशु रो सकता है। कई घंटों तक शिशु के रोने की वजह कोलिक पेन भी हो सकता है। अगर आपको शिशु के रोने की वजह समझ नहीं आ रही है तो एक बार डॉक्टर को दिखा लें।

डॉक्टर को कब दिखाएं

अगर बच्चा कुछ दिनों से लगातार रोकर भूख लगने का संकेत दे रहा है, तो आपके एक बार पीडियाट्रिशियन को दिखा लेना चाहिए। वहीं अगर शिशु को बहुत ज्यादा नींद आ रही है या दूध पिलाने के लिए हर समय आपको उसे उठाना पड़ता है, तो भी आपको डॉक्टर से चेकअप करवाना चाहिए।

सहेज लो, यह धरा पुकार रही

लगातार बढ़ता तापमान, सूखते जलस्रोत और प्रदूषित होता वायुमंडल यह सब संकेत हैं कि आने वाला समय और भी कठिन संकट ला सकता है।

लगातार बढ़ता तापमान, सूखते जलस्रोत और प्रदूषित होता वायुमंडल यह सब संकेत हैं कि आने वाला समय और भी कठिन संकट ला सकता है। तो क्यों ना संभलते हुए इन सब समस्याओं से निकलने के प्रयास किए जाएं क्योंकि छोटे-छोटे प्रयास ही सार्थक होकर किसी बड़े कार्य को पूर्ण करेंगे। शायद पर्यावरण बचाव के यज्ञ में हर एक का योगदान एक-एक आहुति से कम न हो।

एक वृक्ष पहल

हमारे देश में प्रकृति व पृथ्वी को मां का ही दर्जा दिया है। सिर्फ इसलिए कि वे अपने पुत्रों व परिवार के संरक्षण के लिए समर्पित हैं इसलिए क्यों न हम अपने परिवार में एक ऐसी संस्कृति को पनपाएं जो प्रकृति के संवर्धन में भी जुटे और अपने पारिवारिक उत्सव को पर्यावरण संरक्षण से भी जोड़ सके। इसमें एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में परिवारजनों का जन्मदिन हो सकता है परिवार के प्रत्येक व्यक्ति के जन्मदिन के शुभ अवसर पर वृक्षारोपण कर पृथ्वी के उस कर्ज की मुक्ति का रास्ता भी खोला जा सकता है। जिसमें हमने जो कुछ प्रकृति से लिया है या लेंगे उसकी वापसी का रास्ता भी बन सके। इससे प्रकृति प्रेम भी पनपेगा और आने वाली पीढ़ी के लिए संस्कार भी तैयार होंगे। इसी तरह परिवार के अन्य कार्यों जैसे शादी, ब्याह, मुंडन इन सभी को पर्यावरण के किसी कार्य से जोड़ लेना चाहिए। ऐसा ही करके शायद हम अपनी प्रकृति को बचा पाएंगे और आने वाली पीढ़ी को अपनी परंपराओं का हिस्सा बना पाएंगे।

बिन पानी सब सून

बूंद-बूंद पानी की तरस को इस वर्ष तकरीबन 11 राज्यों के 33 करोड़ लोगों ने देखा है। सबसे बुरे हालात महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश एवं कर्नाटक के गांवों में रहे, जहां गांव के गांव पलायन करने को मजबूर हो गए। यहां तक की गले तर करने तक के लिए रेल के जरिए पानी को भेजा गया। यदि इसी तरह के हालात रहे तो यह सभी के लिए दुखदायी होंगे। इसलिए हम सभी को यह सोचना होगा कि जब पानी के बिना सब सूना है तो क्यों न बूंद-बूंद से ही घट भरा जाए। जब तक हम सचेत नहीं होंगे तब तक और किसी को नहीं सिखाया जा सकता है। तो क्यों न इस पानी बचाव की शुरुआत घर से ही प्रारंभ की जाए। घर के हर सदस्य को पानी की बचत के साथ पानी को सुरक्षित रखने के उपाय अपनाने होंगे तभी तो हम इसका संरक्षण कर पाएंगे।

महिलाओं का योगदान

इतिहास को खंगाले तो ज्यादा दूर नहीं जाना पड़ेगा, पर्यावरण की रक्षा में हमेशा से महिलाओं को ही अग्रणीय पाया गया है। विश्व प्रसिद्ध चिपको आंदोलन की प्रणेता गौरा देवी गांव की सरल महिला थीं, जिसकी वन वृक्ष की लड़ाई विश्व प्रसिद्ध हुई। आखिर पूरे हिमालय में वनों के प्रति यह संवेदनशीलता उस महिला को ही क्यों भायी? वनों के पतन की पीड़ा ने उन्हें ही क्यों झकझोरा था? बात गौरा देवी की ही नहीं बल्कि राजस्थान के विश्नोई समुदाय की भी है, जहां महिलाओं ने पेड़ों पर चिपककर उनके काटने का विरोध किया था। आखिर नोबेल पुरस्कार विजेता अफ्रीका की मथाई को ही करोड़ों वृक्षों को लगाने की सुध क्यों आई। ऐसे ही अपने देश व विदेशों की बहुत-सी कहानियां हैं, जिनमें महिलाएं वृक्षों के प्रति गंभीर संवेदनशीलता दर्ज कर चुकी हैं। इतिहास गवाह है कि वन लगाने की बात हो या फिर इसको बचाने की मुहिम हो उस पर महिलाएं ही अग्रणी रही हैं। इसलिए पर्यावरण की सुरक्षा में सबसे पहले महिलाओं को ही याद किया जाता है ताकि उनके और प्रयास से हम आने वाले समय में भी कुछ बेहतर प्रयास कर सकें।

प्रकृति और महिलाएं एक-दूजे की पर्याय

असल में इसका कारण वृक्ष और महिलाओं की समान प्रवृत्तियां है। दोनों ही समाज के लिए समर्पित हैं। दोनों के ही समान व्यवहार हैं। महिला और वृक्ष समाज के सृजन व बेहतरी के लिए बिना किसी शर्त के सदियों से सेवा में जुटे हैं। निस्वार्थता दोनों का मूल चरित्र है। इसलिए यह कहना कदापि अतिश्योक्ति नहीं होगी कि दोनों के बिना प्रकृति पृथ्वी और समाज अर्थविहिन व पंगु कहलाएगा।

सच यह है कि मूल भाव से दोनों ही एक-दूसरे को समझते ही नहीं है बल्कि पूरक भी हैं और अगर ऐसा नहीं होता तो क्यों महिलाएं वनों व वृक्षों से ज्यादा बेहतर तालमेल रखतीं। यह स्वत: ऐसी प्रक्रिया है जिससे प्रकृति व प्रवृत्ति की समान झलक दिखाई देती है।

ऐसी लगवाने जा रहे हैं? भूलकर भी मत करिएगा ये 5 गलतियां, वरना पड़ेगा भारी

गर्मी के मौसम में राहत पाने के लिए एयर कंडीशनर (AC) एक जरूरी होम अप्लायंस बन गया है। हालांकि नया AC लगवाते समय कुछ गलतियां हो सकती हैं, जिनसे बिजली का बिल बढ़ सकता है, AC के काम करने के तरीके पर असर पड़ सकता है या फिर सुरक्षा से जुड़ा खतरा भी पैदा हो सकता है। हाल ही में कई AC ब्लास्ट के मामले सामने आए हैं, ऐसे में सावधान रहना और भी जरूरी हो जाता है। हम कुछ ऐसी गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जो आपको बिल्कुल भी नहीं करनी हैं।

गलत आकार के AC का चुनाव

यह सबसे आम गलतियों में से एक है। अगर आप कमरे के आकार के लिए बहुत छोटा AC चुनते हैं, तो यह ठंडा करने के लिए ज्यादा पावर इस्तेमाल करता रहेगा, जिससे बिजली का बिल बढ़ जाएगा और यह जल्दी खराब भी हो सकता है। यदि आप बहुत बड़ा AC चुनते हैं, तो यह कमरे को ज्यादा ठंडा कर देगा और बिजली भी बर्बाद होगी।

AC जैसी ठंडी हवा देगा आपका कूलर, ये जुगाड़ आजमाते ही कूल-कूल हो जाएंगे आप

गलत जगह ACका प्लेसमेंट

AC को सीधी धूप, खिड़कियों या दरवाजों से दूर और दीवारों और छत से जरूरी दूरी देखते हुए लगवाना चाहिए। अगर आप AC को गलत जगह लगवाते हैं या फिर इसका आउटडोर यूनिट सीधे धूप में रखवा देते हैं तो ना सिर्फ बिजली का बिल बढ़ेगा बल्कि सुरक्षा से जुड़ा खतरा पैदा हो सकता है।

गलत तरह से इंस्टॉलेशन करना

AC को एक प्रोफेशनल टेक्नीशियन से लगवाया जाना बेहद जरूरी है। अगर AC ठीक से इंस्टॉल ना किया जाए, तो यह लीक कर सकता है, शोर कर सकता है या फिर खराब हो सकता है। गलत इंस्टॉलेशन किसी तरह के शॉर्ट-सर्किट की वजह भी बन सकता है।

कूलिंग नहीं कर रहा है AC तो फौरन करें ये बदलाव, बिजली का बिल भी कम हो जाएगा

AC के जरूरी रखरखाव में कमी

AC को नियमित रूप से साफ करते रहना और फिल्टर बदलना जरूरी है। अगर आप इसका रखरखाव नहीं करते हैं, तो यह ठीक से काम या कूलिंग नहीं करेगा। आपका बिजली का बिल बढ़ जाएगा, और यह जल्दी खराब भी हो सकता है।

भारतीय महिला टीम ने जापान को 7-0 से हराया

एशियन जूनियर हॉकी टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

मोकी, (चीन)(वार्ता)।

मौजूदा चैंपियन भारतीय महिला टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मंगलवार को एशियन जूनियर हॉकी टूर्नामेंट में जापान को 7-0 से करारी शिकस्त दी और क्वार्टर फ़ाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। इस शानदार जीत के साथ भारत ने एलीट ग्रुप में अपना परफेक्ट रिकॉर्ड बनाए रखा और अंतिम आठ टीमों के दौर में अपनी जगह सुरक्षित कर ली।

कोरिया के खिलाफ़ 4-1 की जीत और फिर मलेशिया को 11-1 से हराने के बाद, भारत ने जापान के खिलाफ़ भी अपना आक्रामक खेल जारी रखा और शुरुआत से ही मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा। यह मैच पूरी तरह से भारत के पक्ष में रहा। उन्होंने लगातार अंतराल पर गोल करके अपने प्रतिद्वंद्वी को पीछे छोड़ दिया। कृष्णा शर्मा ने पांचवें मिनट में खाता खोला, चार मिनट बाद सुप्रिया ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदला और 14वें मिनट में पूर्णिमा यादव के गोल के साथ भारत ने पहले क्वार्टर में 3-0 की बढ़त बना ली।

दूसरे क्वार्टर में कोई गोल नहीं हुआ। जापान ने दूसरे क्वार्टर में आक्रामक इरादे के साथ वापसी का प्रयास किया। जबकि भारत अपनी बढ़त को और बढ़ाने के मौके तलाशता रहा। हालांकि, कोई भी टीम स्कोर में इजाफा नहीं कर सकी और भारत हाफ-टाइम ब्रेक में 3-0 की आरामदायक बढ़त के साथ गया। दूसरे क्वार्टर की तरह, जापान ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत भी नए आक्रामक इरादे के साथ की और गोल करने की कोशिश की। लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति उन्हें विफल कर दिया। एक बार जब भारत ने अपनी गति बढ़ाई और पांच मिनट के भीतर तीन गोल किए, तो मौजूदा चैंपियन ने प्रतिद्वंद्वी की वापसी की सभी उम्मीदें खत्म कर दीं। गीता यादव ने 41वें और 45वें मिनट में दो गोल करके बढ़त को 5-0 कर दिया, और फिर अगले ही मिनट पूर्णिमा यादव ने एक और गोल किया। आखिरी क्वार्टर में, भारत ने जापानी डिफेंस पर दबाव बनाए रखा और 50वें मिनट में सानिका चंद्रकांत के गोल के साथ एक शानदार जीत पक्की की।

तीन मैचों में नौ अंकों के साथ, भारत अभी एलीट पूल में शीर्ष पर है। पूल में शीर्ष स्थान तय करने के लिए वे कल अपने आखिरी लीग मैच में चीन (छह अंकों के साथ) का सामना करेंगे।

एशियन जूनियर हॉकी टूर्नामेंट में भारत ने दक्षिण कोरिया को 7-3 से हराया

मोकी, (चीन) (वार्ता)। मौजूदा चैंपियन भारतीय पुरुष टीम ने एशियन जूनियर हॉकी टूर्नामेंट में एक बार फिर शानदार खेल दिखाते हुए मैच के आखिरी पलों में तीन गोल दागकर दक्षिण कोरिया पर 7-3 से जीत दर्ज की। पहले तीन क्वार्टर में मुकाबला बराबरी का रहा और दोनों टीमें 3-3 से बराबरी पर थीं, लेकिन चौथे क्वार्टर के आखिरी पलों में भारत ने तीन मिनट के भीतर किए गए तीन गोल दागकर कोरियाई टीम की उम्मीद खत्म कर दिया। इस जीत के साथ भारत के तीन मैचों में सात अंक (दो जीत और एक ड्रॉ) हो गए हैं और टीम सेमीफाइनल में जगह बनाने के बहुत करीब पहुंच गई है। कप्तान और स्टार ड्रैग-फ्लिकर अनमोल एक्का ने एक बार फिर भारत के लिए गोल करने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने दो गोल किए और टूर्नामेंट में अपने कुल गोलों की संख्या आठ तक पहुंचा दी। भारत ने बेहतर शुरुआत की और पांचवें मिनट में अनमोल ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर बढ़त दिलाई। हालांकि, दक्षिण कोरिया ने तुरंत जवाब दिया और अगले ही मिनट में दोह्योन चोई ने पेनल्टी कॉर्नर से गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। दूसरे

क्वार्टर में भी खेल का अंदाज वैसा ही रहा। 18वें मिनट में लवलीनूर सिंह ने फील्ड गोल करके भारत को फिर से बढ़त दिलाई, लेकिन अगले ही मिनट में दक्षिण कोरिया के ह्योगुक यू ने शॉर्ट कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। हमले में स्पष्ट बढ़त बनाए रखने के बाद, भारत ने हाफ-टाइम तक अपनी बढ़त बरकरार रखी; 20वें मिनट में अजीत यादव ने गोल करके टीम को बढ़त (3-2) दिलाई। खेल फिर से शुरू होने के बाद भी दक्षिण कोरिया ने हार नहीं मानी और भारतीय डिफेंस की लगातार परीक्षा लेती रही। यू ने एक बार फिर अटैक की कमान संभाली और तीसरे क्वार्टर के छठे मिनट में मैच का अपना दूसरा गोल किया, जिससे कोरियाई टीम तीसरी बार 3-3 से बराबरी पर आ गई। जब मैच बराबरी की स्थिति में आखिरी क्वार्टर की ओर बढ़ रहा था, तभी भारतीय टीम ने शानदार खेल दिखाया। तीसरे क्वार्टर के आखिर में प्रभदीप सिंह ने गोल करके 42वें मिनट में भारत को 4-3 की बढ़त दिलाई और आखिरी 15 मिनट के लिए अपनी टीम को मोमेंटम दिया। चौथे क्वार्टर की शुरुआत में दोनों टीमों के बीच अटैक का सिलसिला जारी रहा, लेकिन भारतीयों ने लगातार दबाव बनाए रखा और आखिरकार कोरियाई डिफेंस को भेदते हुए सिर्फ़ तीन मिनट में तीन शानदार गोल किए। गुरसेवक सिंह ने 55वें मिनट में भारत की बढ़त को और बढ़ाया, और उसके एक मिनट बाद अनमोल ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके स्कोर 6-3 कर दिया।

कोको गॉफ ने इवा जोविक को हराकर यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

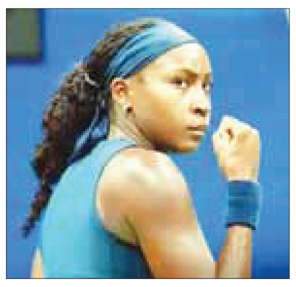

न्यूयॉर्क (वार्ता)।

अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हम वतन इवा जोविक को सीधे सेटों में हराकर यूएस ओपन 2026 के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। आर्थर ऐश स्टेडियम में सोमवार को एक घंटा 33 मिनट तक चले मुकाबले में गॉफ 'मैराथन दौड' वाले एहसास के साथ जोविक के खिलाफ एकल मुकाबले में 6-1, 6-4 से जीत दर्ज की। अब क्वार्टर फाइनल में गॉफ का मुकाबला रूस की मीरा एड्रीवा से होगा। मुकाबले के दौरान गॉफ अपने अनुभव का शानदार प्रदर्शन किया। जोविक के शुरुआती गेम जीतने के बाद, गॉफ ने पहले सेट के आखिरी 13 में से 12 अंक जीते और प्रतिद्वंदी की सर्विस को तीन बार तोड़कर 6-1 से जीत दर्ज की। दूसरे सेट में जोविक ने आक्रामक प्रदर्शन करते हुए प्रतिद्वंदी गॉफ के लिए कई मुश्किलें खड़ी कीं। गौफ ने पांचवें गेम में सर्विस ब्रेक की, लेकिन 18 वर्षीय खिलाड़ी ने तुरंत वापसी करते हुए सर्विस ब्रेक कर दिया। आखिर तक दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर जारी रही। 4-4 के स्कोर पर, गौफ ने एक बार फिर ब्रेक हासिल करने का मौका भुनाया और 6-4 से गेम के साथ मैच भी जीत लिया।

निलंबित रोहित यादव की जगह आर्यन सावसानी और तनमय बलोदा भारत अंडर-19 टीम में

मुम्बई (वार्ता)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को कहा कि सौराष्ट्र के शीर्षक्रम के बल्लेबाज आर्यन सावसानी और हरियाणा के ऑलराउंडर बल्लेबाज तनमय बलोदा को क्रमशः आगामी ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 सीरीज के लिए भारत अंडर-19 की वनडे और चार-दिवसीय टीम में शामिल किया गया है। इन दोनों खिलाड़ियों को रोहित यादव की जगह टीम में जगह दी गई है। बंगाल के लेगस्पिनर रोहित यादव इस साल जुलाई में भारत अंडर-19 के श्रीलंका दौरे का हिस्सा थे। उनको पिछले शुक्रवार उम्र संबंधी विसंगति के कारण दो साल के लिए निलंबित कर दिया गया था। यह विसंगति तब सामने आई जब क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएब) ने अपने खिलाड़ियों के लिए प्री-सीजन दस्तावेज सत्यापन अभियान चलाया। इसके बाद रोहित को तुरंत अंडर-19 टीम से हटा दिया गया। आयु-वर्ग क्रिकेट में बंगाल का प्रतिनिधित्व कर चुके रोहित की उम्र में 27 महीने की विसंगति पाई गई है।

सीएबी ने इसी तरह की उम्र संबंधी विसंगतियों के कारण 64 अन्य खिलाड़ियों पर भी प्रतिबंध लगाया है। इनमें रवि कुमार भी शामिल हैं, जो भारत की 2022 अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा थे और कैरेबियन में इंग्लैंड के खिलाफ फ़ाइनल में शानदार प्रदर्शन किया था। ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ वनडे सीरीज में लक्ष्य रायचंदानी भारत अंडर-19 टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि यशबर्धन चौहान उपकप्तान होंगे। चार-दिवसीय मुकाबलों में दोनों की भूमिकाएं उलट जाएंगी। वनडे टीम में आर्यवीर सहवाग और अन्वय द्रविड़ भी शामिल हैं, जो क्रमशः भारत के पूर्व कप्तान वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़ के पुत्र हैं। अन्वय द्रविड़ जुलाई में श्रीलंका दौरे का हिस्सा थे और दूसरे वनडे में 87 रन बनाए थे। वह रजत बघेल के साथ टीम के दो विकेटकीपरों में से एक हैं। तीन वनडे मैच 18, 21 और 23 सितंबर को खेले जाएंगे, जबकि चार-दिवसीय मुकाबले 27 से 30 सितंबर और 5 से 8 अक्तूबर तक होंगे। दूसरे चार-दिवसीय मैच को छोड़कर, जो अहमदाबाद में खेला जाएगा, सभी मुकाबले राजकोट में आयोजित होंगे।

शमी और मुकेश ने दक्षिण क्षेत्र को दिये झटके तिलक पर बड़ी पारी की जिम्मेदारी

चेन्नई (वार्ता)। मोहम्मद शमी और मुकेश कुमार (दो-दो विकेट) के झटकों के बावजूद दक्षिण क्षेत्र ने कप्तान तिलक वर्मा (नाबाद 56) और देवदत्त पड़िक्कल (62) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले के तीसरे दिन मंगलवार को पूर्वी क्षेत्र के खिलाफ छह विकेट पर 242 रनों का स्कोर बना लिया है। हालांकि दक्षिण क्षेत्र अभी भी पूर्वी क्षेत्र के पहली पारी में बनाये गये स्कोर से 466 रनों से पीछे है। आज यहां बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण क्षेत्र की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 10 रन के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज रिकी भुई (एक) रन का विकेट गवां दिया। भुई को मुकेश कुमार ने आउट किया। इसके बाद देवदत्त पड़िक्कल ने नारायण जगदीशन के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 60 रनों की साझेदारी हुई।

इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री अगस्त में 52.9 प्रतिशत बढ़ी

बाजार हिस्सेदारी 12.3 प्रतिशत हुई

नयी दिल्ली (वार्ता)।

इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री इस साल अगस्त में 52.9 प्रतिशत बढ़कर 2,98,448 इकाई पर पहुंच गयी जो अगस्त की बिक्री का नया रिकॉर्ड है। घरेलू वाहन डीलरों के शीर्ष संगठन फाडा की मंगलवार को जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि ईवी की चारों श्रेणियों - यात्री वाहन, दुपहिया, तिपहिया और वाणिज्यिक वाहन - में अगस्त माह की बिक्री के पिछले सारे रिकॉर्ड टूट गये हैं। वाहनों की कुल बिक्री में ईवी की हिस्सेदारी एक साल पहले के 9.5 प्रतिशत से बढ़कर 12.3 प्रतिशत हो गयी। इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 51.89 फीसदी

की वृद्धि के साथ अगस्त में 30,696 इकाई दर्ज की गयी। महीने के दौरान देश में बिके कुल यात्री वाहनों की हिस्सेदारी 7.6 प्रतिशत रही। पिछले साल अगस्त में यह 5.8 प्रतिशत पर थी। इस श्रेणी में टाटा मोटर्स का वर्चस्व कायम रहा। 13,158 वाहनों के साथ वह पहले स्थान पर रही। इसके बाद क्रमशः महिंद्रा एंड महिंद्रा (13,158) और जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया (4,622) का स्थान रहा। इलेक्ट्रिक दुपहिया वाहनों की बिक्री अगस्त में 1,83,204 इकाई रही। यह एक साल पहले के मुकाबले 67.05 प्रतिशत अधिक है। कुल दुपहिया में ईवी की हिस्सेदारी पिछले साल अगस्त के 7.7 प्रतिशत की तुलना में बढ़कर 10.7 प्रतिशत हो गयी। दुपहिया के ईवी खंड में टीवीएस मोटर कंपनी 48,938 इकाई के साथ पहले स्थान पर बनी रही। उसकी बिक्री सालाना 90.82 फीसदी बढ़ी है। बजाज ऑटो की बिक्री 235.73 प्रतिशत बढ़कर 41,114 इकाई पर पहुंच गयी। एथर एनर्जी ने महीने के दौरान 28,757 ईवी बेचे जो 49.70 प्रतिशत की वृद्धि दिखाता है। तिपहिया की बिक्री अगस्त में 25.28 प्रतिशत बढ़कर 79,846 इकाई हो गयी। तिपहिया के कुल बाजार में इसकी हिस्सेदारी 56.6 प्रतिशत से बढ़कर 65.3 फीसदी हो गयी। इस श्रेणी में बजाज ऑटो दूसरे से पहले स्थान पर पहुंच गयी है। उसकी बिक्री 117.19 प्रतिशत बढ़कर 13,833 इकाई हो गयी। महिंद्रा समूह 12,819 इकाई की वृद्धि के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गया। उसकी बिक्री 45.04 फीसदी बढ़ी है। टीवीएस मोटर कंपनी की बिक्री 93.64 प्रतिशत बढ़कर 4,415 इकाई पर रही। अगस्त में देश में 4,702 इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहन बिके। इसमें सालाना आधार पर 188 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। वाणिज्यिक वाहन में ईवी की बाजार हिस्सेदारी एक साल पहले के 2.06 प्रतिशत से बढ़कर 5.18 प्रतिशत हो गयी। इस श्रेणी में 1,416 इकाई के साथ टाटा मोटर्स पहले स्थान पर बनी रही। उसकी बिक्री 216 प्रतिशत बढ़ी है। यूलर मोटर्स की बिक्री 961 प्रतिशत बढ़कर 849 इकाई और सानी हैवी इंडस्ट्री इंडिया की एक से बढ़कर 605 हो गयी। फाडा के अध्यक्ष साई गिरिधर ने कहा कि भले ही वाहनों की कुल खुदरा बिक्री पिछले साल के त्योहारी सीजन के उच्चतम स्तर से काफी नीचे है, फिर भी ईवी की हर श्रेणी पिछले नौ महीनों में बने रिकॉर्ड के बहुत करीब बनी हुई है।

घर पर बनी मांसाहार थाली अगस्त में पांच प्रतिशत महंगी शाकाहार थाली की लागत एक फीसदी बढ़ीः रिपोर्ट

मुंबई (वार्ता)। प्याज, खाद्य तेल और रसोई गैस के दाम बढ़ने से अगस्त में घर पर बनी मांसाहार थाली की लागत सालाना आधार पर पांच प्रतिशत और शाकाहार थाली की एक प्रतिशत बढ़ गयी। बाजार अध्ययन एवं साख निर्धारक एजेंसी क्रिसिल की मासिक रिपोर्ट में यह बात कही गयी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अगस्त 2026 में घर पर मांसाहार खाने की थाली तैयार करने की लागत 57.50 रुपये और शाकाहार थाली की लागत 29.50 रुपये रही। पिछले साल अगस्त में इनकी लागत क्रमशः 54.60 रुपये और 29.10 रुपये थी। वहीं, इस साल जुलाई में मांसाहार थाली की कीमत 58.30 रुपये और शाकाहार थाली की 29.10 रुपये रही थी।

शाकाहार थाली में रोटी, सब्जी, चावल, दाल, दही और सलाद की लागत को गिना जाता है। मांसाहार थाली में दाल की जगह चिकन को रखा जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, एक साल पहले की तुलना में इस साल अगस्त में प्याज की कीमत 43 प्रतिशत बढ़कर 40 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गयी। अगस्त 2025 में यह 28 रुपये प्रति किलोग्राम थी। महाराष्ट्र में मार्च-अप्रैल में असमय बारिश और ओलावृष्टि से फसल को नुकसान होने के कारण दाम तेजी से बढ़े। रबी की फसल में पांच-छह फीसदी की गिरावट से उपलब्धता और कम हो गयी है। पश्चिम एशिया संकट के कारण खाद्य तेलों की कीमत सालाना 11 प्रतिशत और रसोई गैस सिलेंडर की 10 प्रतिशत बढ़ी है। आलू और टमाटर के दाम घटने से कुछ हद तक प्रभाव कम रहा।

चीनी, चावल नरम, गेहूं मजबूत दालों और तेलों में उतार-चढ़ाव

नयी दिल्ली (वार्ता)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में मंगलवार को चीनी का भाव टूट गया। चीनी के साथ चावल में भी नरमी रही। वहीं, गेहूं की कीमत बढ़ गयी जबकि खाद्य तेलों और दालों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। मीठे के थोक बाजार में चीनी की औसत कीमत 44 रुपये घटकर 5,566 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गुड़ भी 15 रुपये की नरमी के साथ 5,969 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। खुदरा बाजार में चीनी की औसत कीमत 56 पैसे घटकर 60.53 रुपये प्रति किलोग्राम रह गयी। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 12 रुपये टूटकर 4,146 रुपये प्रति क्विंटल पर रही। गेहूं छह रुपये महंगा हुआ और 2,859 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे का भाव भी छह रुपये बढ़ गया। दाल-दलहनों में मसूर दाल की औसत कीमत 20 रुपये और उड़द दाल की 11 रुपये प्रति क्विंटल गिर गई। मूंग दाल चार रुपये सस्ती हुई। वहीं, तुअर दाल नौ रुपये और चना दाल दो रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुई रही।

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से लुढ़के शेयर बाजार

सेंसेक्स करीब तीन महीने के निचले स्तर पर

मुंबई (वार्ता)। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने और कच्चे तेल में तेजी से मंगलवार को घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन बिकवाली रही जिससे बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स लगभग तीन महीने के निचले स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स 162 अंक की गिरावट में 75,970 अंक पर खुला और पूरे दिन लाल निशान में रहा। कारोबार की समाप्ति पर यह 555.23 अंक (0.73 प्रतिशत) उतरकर 75,577.58 अंक पर रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 144.05 अंक यानी 0.61 प्रतिशत टूटकर 23,635.10 अंक पर आ गया। दोनों प्रमुख सूचकांकों का यह 12 जून के बाद का निचला स्तर है। अमेरिका और

ईरान के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। इससे कच्चे तेल में तेजी रही।

लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा फिलहाल डेढ़ फीसदी से अधिक की बढ़त में 98.50 डॉलर प्रति बैरल के पार है। इससे विदेशी बाजारों के साथ घरेलू बाजारों में भी निवेश धारणा कमजोर हुई है। प्रमुख सूचकांकों के विपरीत वृहत बाजार में अधिकांश सूचकांक हरे निशान में रहे। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.23 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.17 प्रतिशत की बढ़त में रहा। एनएसई में जिन 3,648 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, उनमें से 1,833 के शेयरों में गिरावट और 1,710 में तेजी रही।

अन्य 105 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अंततः अपरिवर्तित रहे। सेक्टर आधारित सूचकांकों में बैंकिंग, वित्त, तेल एवं गैस, सीमेंट, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और आईटी समूहों में बिकवाली हावी रही। मीडिया, ऑटो, एफएमसीजी, फार्मा, स्वास्थ्य और रसायन समूहों के सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 21 के शेयर गिर गये। आईसीआईसीआई बैंक का शेयर दो प्रतिशत लुढ़क गया। एक्सिस बैंक में 1.72 प्रतिशत, अल्ट्राटेक सीमेंट में 1.23, कोटक महिंद्रा बैंक में 1.20, रिलायंस इंडस्ट्रीज में 1.16, एचडीएफसी बैंक में 1.11, सन फार्मा में 0.98 और मारुति सुजुकी में 0.96 प्रतिशत की गिरावट रही। ट्रेंट, एशियन पेंट्स, एलएंडटी, टाटा स्टील, भारती एयरटेल, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, पावरग्रिड और इंफोसिस के शेयर भी नीचे बंद हुए। मुनाफा कमाने वालों में बीईएल का शेयर 1.48 प्रतिशत और अडानी पोर्ट्स का 1.06 प्रतिशत की बढ़त में रहा। हिंदुस्तान यूनीलिवर और इंडिगो के शेयर भी मजबूत बंद हुए।

बंधन बैंक ने शुरू किया क्रेडिट कार्ड का काम

मुंबई (वार्ता)। बंधन बैंक ने सोमवार को मास्टरकार्ड के सहयोग से चार कार्ड के साथ अपना क्रेडिट कार्ड पोर्टफोलियो शुरू करने की घोषणा की। इनमें अलग अलग तरह के ग्राहकों के लिए स्पार्क, इग्नाइट , फ्लेयर और ल्यूमिना नाम के कार्ड पेश किये गये हैं। बैंक ने एक विज्ञप्ति में कहा कि यह बैंक की ग्राहकों को नवोन्मेषी और समावेशी वित्तीय समाधान प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाने की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। ये नाम बंधन बैंक के लोगो में दिखाई देने वाली शाश्वत लौ से प्रेरित, हैं। बंधन बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य अधिशासी अधिकारी पार्थ प्रतिम सेनगुप्ता और मास्टरकार्ड के भारत एवं दक्षिण एशिया बाजार के प्रेसिडेंटगौतम अग्रवाल की उपस्थिति में यहां एक समारोह में ये कार्ड प्रस्तुत किये गये। इस अवसर पर बैंक और मास्टरकार्ड के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पर्युषण पर्व की शुभकामनाएं दीं

भोपाल नगर संवाददाता। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पर्युषण के पावन पर्व पर परम श्रद्धेय भगवान महावीर के चरणों में नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि पर्युषण, व्रत-तप-साधना के माध्यम से आत्मा की शुद्धि के साथ मनुष्य को उत्तम गुण अपनाने की प्रेरणा देने वाला पर्व है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी को पर्युषण पर्व की शुभकामनाएं दीं।

सुसनेर को छोड़ सभी नगरीय निकायों के उप निर्वाचन स्थगित

भोपाल,निप्र। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग दिनेश श्रीवास्तव ने जानकारी दी है कि नगरीय निकायों के उप निर्वाचन वर्ष 2026 का जो कार्यक्रम घोषित किया गया था, इसमें से नगर परिषद अध्यक्ष सुसनेर को छोड़कर शेष सभी निर्वाचन स्थगित कर दिये गये है। इनके लिये पृथक से कार्यक्रम जारी किया जायेगा। त्रिस्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन का कार्यक्रम यथावत रहेगा।

छह लाख विद्यार्थियों के आधार हुए अपडेट

भोपाल,निप्र। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों का आधार अपडेट करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। प्रदेश में विद्यार्थियों के आधार में अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) कराने के अभियान के अंतर्गत इस वर्ष अब तक 6 लाख से अधिक विद्यार्थियों का बायोमेट्रिक अपडेट किया जा चुका है। जुलाई और अगस्त माह में चले इस अभियान को अब 1 सितंबर से मिशन मोड में आगे बढ़ाया जा रहा है। संचालक राज्य शिक्षा केंद्र हरजिंदर सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों को स्कूल में दाखिले, प्रवेश परीक्षाओं, छात्रवृत्ति तथा प्रत्यक्ष लाभ अंतरण सहित विभिन्न शासकीय सेवाओं का लाभ लेने में किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए विभाग द्वारा आधार में अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) कराया जा रहा है। प्रदेश में पिछले दो माह में 31 अगस्त 2026 तक 6 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने अपने आधार में बायोमेट्रिक अपडेट कराया है।

नन्द उत्सव में गूंजे मंगल गीत, भजन-कीर्तन और शंखनाद गोपी वेश में महिलाओं ने किया महारास, भक्ति में डूबे भक्त

भोपाल नगर संवाददाता। भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य उत्सव के उपलक्ष्य में अविनाश प्राइड स्थित सरिता झा के निवास पर नन्द उत्सव 2026 का भव्य एवं आध्यात्मिक आयोजन किया गया। उत्सव में अविनाश प्राइड की महिलाओं सहित परिवार के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर महिलाओं ने पारंपरिक गोपी वेशभूषा (लहंगा-चुनरी) धारण कर आयोजन को ब्रज की सुंदर झलक प्रदान की। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान लड्डू गोपाल की पूजा-अर्चना एवं स्तुति से हुआ। मंगल गीत, भजन-कीर्तन, मधुर घंटियों की ध्वनि, शंखनाद एवं पुष्पवर्षा से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। महिलाओं ने सामूहिक रूप से महारास प्रस्तुत कर भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में आनंद लिया और लड्डू गोपाल जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। नन्द उत्सव के दौरान सरिता झा ने बधाई लुटाने की पारंपरिक रस्म निभाई तथा यशोदा मैया को प्रणाम कर भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की खुशी मनाई। इस दौरान उपस्थित महिलाओं एवं परिवारजनों ने भक्ति और उत्साह के साथ एक-दूसरे को बधाई दी। कार्यक्रम में हर संभव फाउंडेशन की पुष्पलता त्रिपाठी एवं उनकी टीम ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराकर नन्द उत्सव की भव्यता बढ़ाई। सेवा, संस्कार और आध्यात्मिकता के इस सुंदर संगम ने उपस्थित सभी लोगों को भाव-विभोर कर दिया। आयोजन के समापन अवसर पर सरिता झा द्वारा सभी अतिथियों एवं सहभागियों को उपहार, प्रसाद एवं नाश्ता प्रदान कर सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि कान्हा का उत्सव केवल एक पर्व नहीं, बल्कि प्रेम, भक्ति, आनंद और आपसी स्नेह को जोड़ने का अवसर है। जब हम मिलकर भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण करते हैं तो जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और आनंद का संचार होता है। नन्द उत्सव के दौरान महिलाओं की सामूहिक सहभागिता, गोपी वेशभूषा, भजन-कीर्तन, महारास और पुष्पवर्षा ने पूरे वातावरण को ब्रजधाम की भक्ति एवं उल्लास से सराबोर कर दिया।

AI और फर्जी आधार कार्ड से 10 लाख की ठगी का खुलासा, 2 महिला सहित सभी 5 आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। भोपाल की थाना सूखीसेवनिया पुलिस ने एआई (AI) और कंप्यूटर तकनीक का इस्तेमाल कर फर्जी आधार कार्ड बनाने और भूमि धोखाधड़ी के माध्यम से 10 लाख की ठगी करने वाले गिरोह का पूरी तरह पर्दाफाश कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने फरार चल रही दो महिला आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जिसके साथ ही प्रकरण में शामिल सभी 05 आरोपियों की गिरफ्तारी पूरी हो चुकी है। 25 मई 2026 को पीड़िता आराधना परमार ने सूखीसेवनिया थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। जांच में पाया गया कि आरोपियों ने ग्राम देवलखेड़ी स्थित खसरा क्रमांक 131(s) और 141(s) की कुल 1.310 हेक्टेयर (लगभग 2.58 एकड़) भूमि का सौदा वास्तविक भू-स्वामियों के नाम पर फर्जी दस्तावेज बनाकर तय किया था। गिरोह के आरोपी अखिलेश उर्फ छीपा ने कंप्यूटर और AI की मदद से असली भू-स्वामियों के नाम से फर्जी आधार कार्ड बनाए, जिन पर अन्य व्यक्तियों के फोटो लगाए गए थे। इसके बाद डॉक्टर मुकुल विश्वास से 59,34,000 में भूमि का सौदा तय कर 14 मई 2026 को 10 लाख नगद प्राप्त किए गए और विक्रय अनुबंध तैयार कराया गया। जब इस सौदे का सार्वजनिक नोटिस जारी हुआ, तब असली भू-स्वामिनी ने भूमि बेचने या राशि प्राप्त करने से इनकार किया, जिससे इस फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। मामले में अपराध क्रमांक 168/2026 के तहत बीएनएस की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई शुरू की गई। पूर्व में पुलिस ने मुख्य आरोपी पप्पू मीणा (10 जून), 3,000 के इनामी आरोपी धन सिंह चौधरी (02 सितंबर) और AI से फर्जी आधार बनाने वाले आरोपी अखिलेश उर्फ छीपा (04 सितंबर) को गिरफ्तार कर भोपाल केंद्रीय जेल भेजा था। इसके बाद 08 सितंबर 2026 को पुलिस ने सूचना के आधार पर बैरसिया क्षेत्र के ग्राम बिरहाश्यामखेड़ी से फरार महिला आरोपियों—गुड्डीबाई उर्फ शशि (46 वर्ष, निवासी विदिशा) और स्वाति उर्फ बिन्ना (28 वर्ष, निवासी रायसेन) को भी गिरफ्तार कर लिया।

मुख्यमंत्री यात्री सुगम परिवहन सेवा योजना पर केंद्रित समिट का सीएम डॉ. यादव करेंगे शुभारंभ

मध्यप्रदेश में स्मार्ट, सुगम और सुरक्षित परिवहन के लिए बनेगी रणनीति

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। मध्यप्रदेश में यात्री सुविधाओं को स्मार्ट, सुगम और सुरक्षित बेहतर बनाने की दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा एक बड़ी पहल की जा रही है। मध्यप्रदेश सरकार और उद्योग जगत को एक साझा मंच पर लाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में यात्री परिवहन विज़न समिट 2026 का आयोजन किया जा रहा है।

परिवहन विभाग द्वारा यह समिट 11 व 12 सितंबर 2026 को ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर में आयोजित की जाएगी, जो मुख्य रूप से मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा योजना पर केंद्रित होगी। इस समिट में निजी बस ऑपरेटर, नीति निर्माता, विशेषज्ञ और उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल होंगे और प्रदेश की परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए मंथन करेंगे। समिट में स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

समिट का आयोजन मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एण्ड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा ईलेट्स टेक्नोमीडिया के सहयोग से किया जा रहा है। इसका उद्देश्य प्रदेश में अधिक कनेक्टेड, वित्तीय रूप से साध्य, डिजिटल रूप से सक्षम और नागरिक-केंद्रित यात्री परिवहन इकोसिस्टम के निर्माण पर चर्चा और साझेदारी को बढ़ावा देना है।

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विज़न और राष्ट्रीय पहल (जैसे पीएम ई-बस सेवा) के अनुरूप सतत और आधुनिक सार्वजनिक परिवहन मॉडल को आगे बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम है, जो यात्री परिवहन को राज्य की कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास के महत्वपूर्ण घटक के रूप में मजबूत करने की प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह मंच राज्य के मोबिलिटी एजेंडे को केवल नीतिगत चर्चा तक सीमित न रखते हुए, सरकारी निर्णयकर्ताओं और कार्यान्वयन में सहयोग करने वाली संस्थाओं के बीच प्रत्यक्ष संवाद और साझेदारी को बढ़ावा देगा।

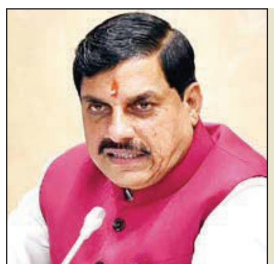

- निजी बस ऑपरेटर, नीति निर्माता, विशेषज्ञ और उद्योग जगत के प्रतिनिधि होंगे शामिल
- मध्यप्रदेश की परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए करेंगे मंथन
- 11-12 सितंबर को ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर इंदौर में होगी समिट

मध्यप्रदेश की यात्री परिवहन परिकल्पना रहेगी चर्चा के केंद्र में : मध्यप्रदेश की यात्री परिवहन परिकल्पना और भविष्य की मोबिलिटी व्यवस्था यात्री परिवहन विजन समिट-2026 में चर्चा के प्रमुख केंद्र में रहेगी। समिट में प्रदेश में यात्री परिवहन को आधुनिक, सुलभ और व्यापक बनाने के साथ निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। यह यात्री परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बड़े स्तर पर निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करने वाली मध्यप्रदेश सरकार की प्रमुख पहल है। इनमें मोबिलिटी विज़न 2030 रोडमैप, परिवहन क्षेत्र में पीपीपी को गति देना, डिजिटल-फर्स्ट मोबिलिटी फ्रेमवर्क, स्वच्छ मोबिलिटी को बढ़ावा, पायलट एवं निवेश अवसर और सरकार-उद्योग सहयोग को मजबूत करना शामिल है।

रोजगार के अवसरों पर होगी चर्चा : यात्री परिवहन समिट में यात्री परिवहन क्षेत्र में होने वाले नवाचार और निवेश से प्रदेश में रोजगार के नए अवसर सृजित होने की संभावनाओं पर भी सार्थक चर्चा होगी। सार्वजनिक परिवहन को अधिक सक्षम बनाने के साथ ही निजी क्षेत्र की भागीदारी और आधुनिक तकनीक के उपयोग पर भी विशेषज्ञ अपने सुझाव देंगे।

8 सत्रों में यात्री परिवहन के भविष्य पर होगा मंथन : परिवहन समिट में 8 सत्र होंगे। यात्री परिवहन को सुगम, बनाने, एमपी मोबिलिटी विजन-2030 के तहत PPP मॉडल से निवेश, वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बस संचालन, यात्री सुरक्षा, ग्रीन मोबिलिटी, स्वच्छ ईंधन, एकीकृत टिकटिंग, स्वचालित किराया संग्रह प्रणाली विषयों पर चर्चा होगी।

समग्र और आधुनिक मोबिलिटी इकोसिस्टम विकसित करना उद्देश्य

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा का उद्देश्य प्रदेश में एक समग्र और आधुनिक मोबिलिटी इकोसिस्टम विकसित करना है। इसके अंतर्गत बस निर्माण, इलेक्ट्रिक एवं हाइड्रोजन मोबिलिटी, इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम, डिजिटल टिकटिंग, फ्लीट मैनेजमेंट, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, एआई एवं एनालिटिक्स, स्मार्ट बस स्टॉप, पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम, मोबिलिटी-एज-ए-सर्विस और परिवहन वित्त जैसे क्षेत्रों में व्यापक संभावनाएं विकसित होंगी। इस समिट के माध्यम से प्रदेश में यात्री परिवहन के भविष्य की दिशा तय करने के साथ निवेश, नवाचार और सार्वजनिक-निजी भागीदारी के नए अवसरों को भी बढ़ावा मिलेगा।

देश के प्रमुख संस्थान समिट में होंगे शामिल : समिट में ईकेए मोबिलिटी, टाटा मोटर्स, ग्रीनसेल मोबिलिटी, वोल्वो-आयशर प्राइवेट लिमिटेड, स्विच मोबिलिटी (हिंदुजा ग्रुप), एयरो ईगल ऑटोमोबाइल, यश टेक्नोलॉजीज, रैपिडो, चलो मोबिलिटी, एमनेक्स इन्फोटेक्नोलॉजीज, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, थिंक गैस जैसी प्रमुख कंपनियां सहभागिता करेंगी। इसके अलावा विभिन्न शिक्षण संस्थानों, थिंक टैंक एवं कंसल्टेंसी एजेंसियों के परिवहन विशेषज्ञ भी समिट में अपने अनुभव और सुझाव साझा करेंगे। इनमें BITS पिलानी, CEPT अहमदाबाद, WII इंडिया, ICCT, KPMG और DIMTS प्रमुख हैं।

पांच विद्युत बकायादारों के शस्त्र लाइसेंस निलंबित

भोपाल। विद्युत बकाया राशि की वसूली के लिए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दतिया जिले में लंबे समय से विद्युत बिल का भुगतान नहीं करने वाले पांच शस्त्र लाइसेंसधारियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। महाप्रबंधक, वृत्त दतिया धर्मेन्द्र कौशिक द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव के आधार पर कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, दतिया ने पांच बकायादारों के शस्त्र लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित किए हैं। राधेश्याम, अरविंद कुमार यादव, मनोहर कुशवाहा, बद्री प्रसाद एवं अशोक श्रीवास्तव के विरुद्ध यह कार्रवाई की गई है। संबंधित बकायादारों द्वारा लंबे समय से विद्युत बकाया राशि जमा नहीं की गई थी। पूर्व में कारण बताओ सूचना जारी किए जाने के बावजूद बकाया राशि का भुगतान नहीं किए जाने पर प्रशासन द्वारा यह कार्रवाई की गई। आदेश में संबंधित शस्त्र एवं एम्यूनिशन तत्काल संबंधित थाने में जमा कराने के निर्देश भी दिए गए हैं।

'अंशहनुमान' के बाबा नीम करौली बने शोभिनव सत्य से दिव्या सिंह की खास मुलाकात

दिव्याजी बोलती बहुत ही सुंदर हैं, स्वभाव भी बिल्कुल दिव्य : शोभिनव सत्य ने की तारीफ

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। फिल्म 'अंशहनुमान' में बाबा नीम करौली की भूमिका निभा रहे शोभिनव सत्य और दिव्या सिंह सिसोदिया के बीच बनी आत्मीयता इन दिनों चर्चा का विषय है। कुछ ही दिनों की मुलाकात में दोनों के बीच संवाद का ऐसा सिलसिला बना कि औपचारिक बातचीत कब मन की बातों तक पहुंच गई, पता ही नहीं चला।

शोभिनव सत्य ने श्री सिसोदिया से दिव्या सिंह के बारे में बात करते हुए कहा, दिव्या जी बोलती बहुत सुंदर हैं, स्वभाव भी बिल्कुल दिव्य है। इस पर श्री सिसोदिया ने उनकी एक और खूबी बताते हुए कहा कि दिव्या लिखती भी बहुत सुंदर हैं और पढ़ती भी खूब हैं।

बातचीत में यह भी सामने आया कि दिव्या सिंह थियेटर बहुत कम जाती हैं। करीब दस साल बाद वह

शोभिनव सत्य की फिल्म देखने थियेटर पहुंचीं। टीवी देखने में भी उनकी खास रुचि नहीं है। श्री सिसोदिया ने जब उनके बारे में ये सारी बातें शोभिनव सत्य को बताई तो मजाकिया अंदाज में कहा गया कि उनके बारे में तो सारे भेद ही खोल दिए गए। इसी आत्मीय माहौल में शोभिनव सत्य ने दिव्या सिंह से कहा कि जाने से पहले उनकी किताबें उन्हें भेंट में जरूर चाहिए। साहित्य और किताबों के प्रति यह अनुराग दोनों के बीच संवाद का एक खूबसूरत सेतु बन गया। दिव्या सिंह का कहना है कि उनके जैसे लोगों को आमतौर पर खूब घुल-मिल जाने वाला समझा जाता है, लेकिन भीतर से वे भी अंतर्मुखी होते हैं। हम बोलते तो सभी से हैं, लेकिन मन की बातें हर किसी से नहीं करते। यही वजह है कि शोभिनव सत्य से कुछ ही दिनों की मुलाकात में जिस सहजता से मन की बातें साझा हुईं, वह अपने आप में खास है। जन्माष्टमी से शोभिनव सत्य लखनऊ में हैं और इस दौरान दोनों के बीच बातचीत, वीडियो कॉल और मुलाकातों का सिलसिला बना हुआ है। दिव्या सिंह ने शोभिनव सत्य के साथ अपनी कुछ वीडियो भी साझा की हैं, जिनमें इस आत्मीय जुड़ाव की सहज झलक दिखाई देती है। कला, साहित्य और संवेदनशीलता से जुड़े दो व्यक्तित्वों के बीच पनपी यह आत्मीयता इस बात की खूबसूरत मिसाल है कि कभी-कभी रिश्तों को गहराई देने के लिए वर्षों की पहचान नहीं, कुछ सच्ची और दिल से हुई बातचीत ही काफी होती है।

आरडीएसएस से मजबूत हो रहा विद्युत नेटवर्क

33/11 केवी उपकेंद्रों और ट्रांसफॉर्मर क्षमता वृद्धि के कार्यों में आई तेजी

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि उपभोक्ताओं को बेहतर गुणवत्ता की विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने और भविष्य की विद्युत मांग को ध्यान में रखते हुए आरडीएसएस योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा विद्युत अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। योजना के तहत नए 33/11 केवी उपकेंद्रों के निर्माण, पावर ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता वृद्धि तथा 33 केवी लाइनों के विस्तार के कार्य प्रगति पर हैं। कंपनी के विभिन्न सर्किलों में 31 नए 33/11 केवी उपकेंद्रों का कार्य प्रस्तावित है, जिनमें से 10 उपकेंद्रों का कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष उपकेंद्रों पर भी निर्माण एवं संबंधित कार्य तेजी से आगे बढ़ाए जा रहे हैं।

332.6 किलोमीटर 33 केवी लाइन का कार्य पूर्ण : आरडीएसएस के तहत कंपनी द्वारा विद्युत नेटवर्क के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के लिए कुल 722.6 किलोमीटर 33 केवी लाइन का प्रावधान किया गया है। इसमें से अब तक 332.6 किलोमीटर लाइन का कार्य पूर्ण हो चुका है।

शेष कार्यों को भी प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। नई 33 केवी लाइनों से आगामी समय में विभिन्न क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति की क्षमता और विश्वसनीयता बढ़ेगी। योजना के तहत विभिन्न 33/11 केवी उपकेंद्रों में पावर ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता बढ़ाने के कार्य भी किए जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार 3.15 एमवीए क्षमता वृद्धि के 78 कार्यों में 60, 5 एमवीए के 17 में से 16, जबकि 3.15 से 5 एमवीए क्षमता वृद्धि के 80 में से 63 कार्य पूरे किए जा चुके हैं। इसी प्रकार 5 से 8 एमवीए के सभी 4, 8 से 10 एमवीए के सभी 5 कार्य पूर्ण हो चुके हैं। 5 से 10 एमवीए क्षमता वृद्धि के 92 कार्यों में से 73 कार्य भी पूरे किए जा चुके हैं।

मध्यप्रदेश में वेक्टर जनित रोगों के नियंत्रण की समीक्षा NCVBDC निदेशक डॉ. तनु जैन का दौरा

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। राष्ट्रीय वाहक जनित रोग नियंत्रण केंद्र (NCVBDC) की निदेशक डॉ. तनु जैन ने मध्यप्रदेश के तीन दिवसीय दौरे पर डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया और जापानी इंसेफेलाइटिस की रोकथाम की विस्तृत समीक्षा की। अपने प्रवास के दौरान उन्होंने भोपाल, सीहोर और रायसेन जिलों का दौरा किया तथा बालाघाट जिले में सामने आए मामलों पर विशेष चर्चा की। रायसेन के खापरिया खापा उप स्वास्थ्य केंद्र और सुल्तानपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर उन्होंने डॉक्टरों, सीएचओ और आशा कार्यकर्ताओं से जमीनी तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने एनएचएम की मिशन संचालक डॉ. सलोनी सिडाना और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। दौरे के समापन पर प्रदेश के करीब 100 स्वास्थ्य अधिकारियों की बैठक लेकर उन्होंने IHIP पोर्टल पर समयबद्ध रिपोर्टिंग और वेक्टर जनित रोगों पर प्रभावी नियंत्रण के सख्त निर्देश दिए।

108 लीटर अवैध शराब मामले में फरार महिला समेत दो गिरफ्तार

भोपाल। सूखीसेवनिया पुलिस ने 108 लीटर अवैध देशी मदिरा मसाला जब्ती के प्रकरण में लंबे समय से फरार मुख्य आरोपी महिला और उसके साथी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से शराब सप्लाई में इस्तेमाल की जा रही एक एक्टिवा स्कूटी भी जप्त की है। मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने बताया कि 24 जून 2026 को मुखबिर की सूचना पर पिपलिया जाहीर पीर के पास एक लोडिंग ऑटो (MP04 BY 0438) को रोककर तलाशी ली गई थी। ऑटो से 108 लीटर (600 क्वार्टर) अवैध देशी मदिरा बरामद कर मौके से आरोपी संजय यादव और अजय भालेराव को गिरफ्तार किया गया था। यह शराब मुख्य आरोपी चार्ली बाई कुशवाहा के कहने पर मंगवाई गई थी और इसकी डिलीवरी एक्टिवा स्कूटी के जरिए की जा रही थी।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डाली तो होगी जेल, भोपाल में धारा-163 लागू

साइबर कैफे के लिए भी सख्त निर्देश जारी

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। सोशल मीडिया के दुरुपयोग और भ्रामक जानकारियों से शहर की शांति व्यवस्था बिगड़ने से रोकने के लिए भोपाल पुलिस ने बड़ा कदम उठाया है। पुलिस आयुक्त संजय कुमार ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) 2023 की धारा-163 के तहत सख्त प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और आगामी दो माह तक भोपाल नगर सीमा में प्रभावी रहेगा।

जारी आदेश के अनुसार फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, एक्स (ट्विटर) और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर धार्मिक, सामाजिक या जातिगत विद्वेष फैलाने वाली किसी भी सामग्री को पोस्ट करना, लाइक करना, कमेंट करना या फॉरवर्ड करना पूरी तरह प्रतिबंधित है। भड़काऊ पोस्ट रोकने की व्यक्तिगत जिम्मेदारी ग्रुप एडमिन की होगी। इसके अलावा हिंसा भड़काने या गैर-कानूनी गतिविधियों के लिए लोगों को इकट्ठा करने का आह्वान करने वाले संदेशों के प्रसार पर भी रोक लगाई गई है।

साइबर कैफे संचालकों को भी कड़े निर्देश : आदेश में साइबर कैफे संचालकों के लिए भी नियम तय किए गए हैं। अब बिना वैध फोटो पहचान पत्र (जैसे आधार कार्ड, वोटर आईडी, पैन कार्ड या ड्राइविंग लाइसेंस) के किसी भी व्यक्ति को साइबर कैफे का उपयोग नहीं करने दिया जाएगा। संचालकों को सभी उपयोगकर्ताओं का नाम, पता और फोन नंबर रजिस्टर में दर्ज करना अनिवार्य होगा।

आईईएस विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ छात्र-संवाद कार्यक्रम 'आरोहण - स्व से राष्ट्र की ओर'

स्वतंत्रता की अक्षुण्णता बनाए रखने की जिम्मेदारी युवा पीढ़ी पर : मंत्री परमार

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि हमें स्वतंत्रता बड़े संघर्ष, त्याग और बलिदानों के बाद प्राप्त हुई है। इसकी अक्षुण्णता बनाए रखने और राष्ट्र की प्रगति को निरंतर आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी युवा पीढ़ी पर है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए भारतीय दृष्टि से आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया है। वर्ष 2047 के संकल्पित विकसित भारत के निर्माण में हम सभी को मिलकर अपना योगदान देना है। इसके लिए युवाओं का

अपनी जिज्ञासाओं का समाधान करना और ज्ञान के प्रति निरंतर जिज्ञासु बने रहना आवश्यक है। हमारे पूर्वजों के ज्ञान और अनुभव के आधार पर भारत को पुन: विश्वगुरु बनाने की दिशा में आगे बढ़ना है। स्व का जागरण ही राष्ट्र जागरण का प्रथम सोपान है।

मंत्री श्री परमार ने यह विचार मंगलवार को भोपाल स्थित आईईएस विश्वविद्यालय में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, आईईएस विश्वविद्यालय एवं दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित छात्र-संवाद कार्यक्रम 'आरोहण-स्व से राष्ट्र की ओर' में व्यक्त किए। कार्यक्रम में परम पूज्य आचार्य श्री मिथिलेश नंदिनी शरण महाराज का सान्निध्य प्राप्त हुआ। मंत्री श्री परमार ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा केवल ज्ञान अर्जित करने की परम्परा नहीं, बल्कि व्यक्ति के समग्र निर्माण और उसके ज्ञान, सामर्थ्य एवं ऊर्जा को राष्ट्रहित से जोड़ने की जीवनदृष्टि है। युवा शक्ति के विचार, ऊर्जा और संकल्प को राष्ट्र निर्माण की दिशा देना ही विकसित भारत के संकल्प की सशक्त आधारशिला है।

विद्यार्थियों ने रखीं जिज्ञासाएं, आचार्य श्री एवं मंत्री परमार ने दिए उत्तर

कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों से आए विद्यार्थियों ने शिक्षा, भारतीय ज्ञान परम्परा, राष्ट्र निर्माण, युवा दायित्व, व्यक्तित्व विकास सहित विविध विषयों से जुड़ी अपनी जिज्ञासाएं एवं प्रश्न रखे। परम पूज्य आचार्य श्री मिथिलेश नंदिनी शरण महाराज एवं मंत्री श्री परमार ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का आत्मीयता के साथ समाधान करते हुए उनके जिज्ञासाओं के उत्तर दिए। संवाद के दौरान विद्यार्थियों को अपने प्रश्नों पर चिंतन करने, भारतीय दृष्टि से विषयों को समझने तथा अपनी प्रतिभा एवं ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाने की प्रेरणा मिली।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से माल परिवहन को मिली नई गति, यात्री ट्रेनों के सुचारु संचालन के भी बढ़े अवसर

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) देश के लॉजिस्टिक्स और माल परिवहन तंत्र को अधिक तेज, सुरक्षित और क्षमता संपन्न बनाने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

रेलवे नेटवर्क के लगभग 4 प्रतिशत हिस्से पर स्थित इस समर्पित गलियारे से देश का 14 प्रतिशत से अधिक रेल माल परिवहन संचालित किया जा रहा है, जो इसकी उच्च उत्पादकता और दक्षता को स्पष्ट रूप से रेखांकित करता है। समर्पित रेलमार्गों पर मालगाड़ियों के सुगम आवागमन से पारंपरिक रेल ट्रैक पर अतिरिक्त

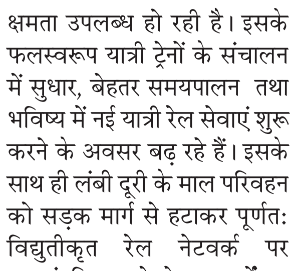

- रेलवे नेटवर्क के महज 4 प्रतिशत हिस्से से संभाला जा रहा 14 प्रतिशत से अधिक माल परिवहन
- सड़क पर यातायात का दबाव, डीजल खपत और कार्बन उत्सर्जन घटाने में मददगार साबित हो रहा डीएफसी

क्षमता उपलब्ध हो रही है। इसके फलस्वरूप यात्री ट्रेनों के संचालन में सुधार, बेहतर समयपालन तथा भविष्य में नई यात्री रेल सेवाएं शुरू करने के अवसर बढ़ रहे हैं। इसके साथ ही लंबी दूरी के माल परिवहन को सड़क मार्ग से हटाकर पूर्णत: विद्युतीकृत रेल नेटवर्क पर स्थानांतरित करने से राजमार्गों पर भारी वाहनों का दबाव, डीजल की खपत और कार्बन उत्सर्जन को कम करने में भी मदद मिल रही है।

डीएफसी नेटवर्क के माध्यम से उद्योगों और व्यापारियों को कम समय में माल आपूर्ति, अधिक भार वहन क्षमता और एक विश्वसनीय सप्लाई चेन का सीधा लाभ मिल रहा है। प्रमुख बंदरगाहों, औद्योगिक क्षेत्रों, लॉजिस्टिक्स पार्कों और मल्टीमॉडल कार्गो टर्मिनलों से सीधी कनेक्टिविटी मिलने के कारण देश में आर्थिक एवं औद्योगिक गतिविधियों को भी तेजी से गति मिल रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नवीन आनंद जोशी द्वारा सुपर प्रिंटिंग प्रेस, 17 चौकी तलैया, भोपाल से मुद्रित एवं ई - 100 / 22, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित। सम्पादक- नवीन आनंद जोशी , मुख्य कार्यकारी संपादक श्रीमती रोमा मल्होत्रा । समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।